RNI. MPHIN/2016/68439

“अपने मूल स्वभाव को जानना ही मुक्ति है।”
रमण महर्षि

दैनिक मेल पॉवर

वर्ष- 10 | अंक-89 | भोपाल, बुधवार 27 अगस्त 2025 | पेज-8 | आमंत्रण मूल्य -1 रुपए | राजधानी भोपाल से प्रसारित

न्यूज. ब्रीफ

मध्यप्रदेश में ई-अटेंडेंस एप का विदेशी कनेक्शन

भोपाल। मध्यप्रदेश में शिक्षकों के लिए बनाए ई-अटेंडेस एप को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। शिक्षक संघ के अनुसार ई-अटेंडेंस (शिक्षक एप) का विदेशी कनेक्शन सामने आया है। इसमें शिक्षकों के व्यक्तिगत जानकारी से जुड़ा डेटा लीक होने की आंशका है। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ का दावा है कि, ई-अटेंडेंस व्यवस्था लागू होने के बाद से शिक्षकों के पास अज्ञात नंबरों से कॉल और संदेश आने लगे हैं। इतना ही नहीं कई शिक्षकों से ओटीपी तक पूछा जा रहा है। बताया जा रहा है कि, ई-अटेंडेंस के लिए बनाए गए शिक्षक एप का निर्माण करने वाली कंपनी के अधिकारी पाकिस्तानी है। जिसके अधिकारी हुनेदहसन मूल रूप से पाकिस्तान निवासी हैं। इसी तरह अब्दुल्लाह अब्दुल हुसैन सॉफ्टवेयर इंजीनियर बांग्लादेशी कंपनी है। वहीं, वयान ही चिप टेक्नोलॉजी ऑफिसर, टायलर ली चीनी कंपनी है। मामले को लेकर शिक्षक संघ का कहना है कि, एप और उससे संबंधित सभी अधिकारियों की जांच होना चाहिए।

जस्टिस आलोक अराधे बनेंगे सुप्रीम कोर्ट के जज

जबलपुर । मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के पूर्व जज और मुंबई हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे को सुप्रीम कोर्ट में जज बनाए जाने की अनुशंसा कॉलेजियम ने की है। सुप्रीम कोर्ट की कालेजियम ने पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस विपुल मनु भाई पंचोली को भी सुप्रीम कोर्ट का जज बनाने की अनुशंसा की है। मनु भाई पंचोली के नाम पर कालेजियम में सहमति नहीं बनी। पांच सदस्यों में चार एक पर पंचोली के नाम पर फैसला हुआ। मध्य प्रदेश आलोक अराधे जबलपुर के रहने वाले हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश, जम्मू कश्मीर कर्नाटक और तेलंगाना हाईकोर्ट में भी अपनी सेवाएं दी हैं। पंचोली की नियुक्ति के बाद यह कहा जा रहा है। वह सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बनेंगे। उनका कार्यकाल भी लंबा रहेगा।

पंजाब में बाढ़ का कहर, रेलवे रूट बंद, 90 ट्रेनें प्रभावित

अमृतसर। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में हो रही भारी बारिश का असर अब पंजाब में दिखने लगा है। राज्य के 7 जिले बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। रणजीत सागर डैम और भाखड़ा डैम से लगातार पानी छोड़े जाने से रावी, सतलुज और ब्यास नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बढ़ते खतरे को देखते हुए जालंधर, कपूरथला, पठानकोट और गुरदासपुर जिलों के अलावा अमृतसर के अजनाला और रईया ब्लॉक के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। वहीं, फाजिल्का के 20 बाढ़ग्रस्त गांवों के स्कूल अगले आदेश तक बंद रहेंगे। तरनतारन और फिरोजपुर में हरिके हेडवर्क्स से छोड़े गए पानी के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। इस बीच, ब्यास नदी पर बने चक्की रेलवे पुल के नीचे से मिट्टी धंस जाने के कारण पठानकोट-जालंधर रेलवे रूट बंद कर दिया गया है। इसके चलते करीब 90 ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। कुछ ट्रेनों का रूट बदलकर पठानकोट-अमृतसर-जालंधर के रास्ते से संचालन किया जा रहा है। बाढ़ग्रस्त इलाकों में राहत और बचाव कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नव नियुक्त विद्युत कार्मिकों को प्रदान किए नियुक्ति-पत्र

प्रदेश के साथ देश की विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहा है मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पिछले 11 वर्षों में 30प्रति बढ़ी सौर ऊर्जा

बिजली कंपनियों की उपलब्धियों पर केंद्रित प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर प्रदेश की विभिन्न बिजली कंपनियों की उपलब्धियों पर केंद्रित प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्युत कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों से भेंट भी की। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नव नियुक्त विद्युत कार्मिकों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए। ऊर्जा विभाग के अंतर्गत सभी बिजली कंपनियों के लिये 51 हजार से अधिक नियमित पद स्वीकृत करने पर ऊर्जा मंत्री ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पगड़ी पहना कर तथा अंग वस्त्रम और प्रशस्ति-पत्र भेंट कर अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का किया अभिनन्दन

बिजली कंपनियों में 51 हजार से अधिक नए पद भरे जाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बिजली कंपनियों के द्वारा एक हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे हैं। प्रदेश की बिजली कंपनियों में 51 हजार से अधिक नए पद भरे जाएंगे। इससे बिजली कम्पनियों की स्थिति सुदृढ़ होगी। किसान भाइयों को लगभग 20 हजार 267 करोड़ रुपए की सब्सिडी इस वर्ष दी जा रही है। प्रदेश के एक करोड़ से अधिक परिवारों को बिजली विभाग ने 6445 करोड़ रुपए की सब्सिडी प्रदान की है। प्रदेश में बिजली तैयार करने के लिए हर उपलब्ध संसाधन का उपयोग किया जा रहा है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सांची को प्रदेश की पहली सोलर सिटी बनाया गया है। राज्य के 32 लाख किसानों को सोलर पंप प्रदान किए जा रहे हैं।

प्रदेश ऊर्जा क्षेत्र में नवाचारों के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है

अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मंडलोई ने कहा कि 1000 से अधिक युवा आज ऊर्जा विभाग से नियुक्ति-पत्र लेकर जाएंगे। उनका और उनके अभिभावकों का हार्दिक अभिनंदन है। प्रदेश की 6 ऊर्जा कंपनियों में 51 हजार 700 नए स्थाई पद स्वीकृत किए गए हैं। यह प्रयास प्रदेश को भारत में ऊर्जा क्षेत्र में नए मानकों के साथ स्थापित करेगा। ऊर्जा विभाग ने हमेशा प्रदेश और देश की ऊर्जा मांग को पूरा किया है। प्रदेश का ऊर्जा विभाग सौर ऊर्जा और पारंपरिक ऊर्जा क्षेत्र में नवाचारों के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारी कोशिश है कि प्रदेश में आने वाले नए उद्योगपतियों को हर संभव सहयोग उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों और कर्मचारी संगठनों का उनके सहयोग के लिये आभार माना।

जम्मू के डोडा और किश्तवाड़ में बादल फटा, कई घर और पुल बहे

वैष्णों देवी यात्रा रुकी, एनएच-244 बंद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा और किश्तवाड़ जिलों में सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात बादल फटने से तबाही मच गई। अचानक आई बाढ़ में 10 से ज्यादा घर और कई पुल बह गए। डोडा जिले में पिछले 24 घंटे में 4 लोगों की मौत हो चुकी है। बाढ़ के चलते एनएच-244 बंद कर दिया गया और वैष्णों देवी की यात्रा रुक गई है। स्कूल कॉलेज में अवकाश घोषित कर दिया गया। प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। जानकारी अनुसार जम्मू-कश्मीर के

डोडा स्थित भलेसा, थाथरी और मरमत इलाकों में बादल फटने से घर ढह गए और बाढ़ में बहने से 4 लोगों की मौत हो गई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार दो लोगों की मौत घर गिरने के कारण हुई, जबकि दो अन्य की मौत अचानक आई बाढ़ के कारण हुई है।

पूर्व में भी हो चुकी तबाही

इससे पहले 14 अगस्त को किश्तवाड़ जिले के चसोटी गांव में भी बादल फटा था, जिसमें 65 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 200 लोग लापता हो गए थे। यहां पर भी बादल फटने के कारण अचानक बाढ़ आई थी और मचैल माता यात्रा में हिस्सा लेने पहुंचे कई श्रद्धालु, उनकी बसें, टेंट, लंगर और दुकानें बह गई थीं।

वैष्णो देवी यात्रा स्थगित

लगातार तेज होती बारिश और खराब मौसम के चलते वैष्णो देवी यात्रा को स्थगित कर दिया गया है। वहीं दूसरी तरफ दो दिनों के लिए स्कूल-कॉलेजों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। बाढ़ के कारण अनेक सड़कों पर परिवहन और रेल सेवाएं ठप हो गई हैं। जम्मू-श्रीनगर और बटोटे-किश्तवाड़ समेत अनेक नेशनल हाईवे भी बंद हैं।

राजनीतिक दल के नाम से चंदा लेकर हवाला कारोबार

4300 करोड रुपए चंदे में जुटाये

अहमदाबाद । गुजरात में एक सनसनी खेज मामले का खुलासा हुआ है। गुजरात में 10 राजनीतिक दलों के नाम से राजनीतिक दल का पंजीयन कराया गया। पिछले 5 वर्षों में इन राजनीतिक दलों को 4300 करोड रुपए से ज्यादा का चंदा मिला। 2019-20 से 2023-24 के बीच में दानदाताओं ने इन 10 राजनीतिक दलों को 4300 करोड रुपए का चंदा दिया है।सबसे आश्चर्य करने वाली बात यह है। इन राजनीतिक दलों ने लोकसभा चुनाव 2019 एवं 2024 में दो प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारे।2022 के विधानसभा चुनाव में 43 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारे थे। इन्हें केवल 50069 वोट मिले थे। चुनाव आयोग में इन राजनीतिक दलों द्वारा जो रिटर्न जमा की गई है। उसके अनुसार लोकशाही सत्ता पार्टी को सबसे ज्यादा 1045 करोड रुपए का दान मिला है।

अजीत डोभाल का 'सिक्रेट मिशन', इस तरह सिक्किम बना भारत का 22वां राज्य

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल कि जिंदगी किसी जासूसी फिल्म से कम नहीं रही है। बहुत कम लोग जानते हैं कि उनके शुरूआती और गुप्त मिशनों में से एक पाकिस्तान या चीन में नहीं बल्कि हिमालय की छोटी रियासत सिक्किम में हुआ था। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का जीवन किसी जासूसी फिल्म से कम नहीं है। उनके शुरूआती मिशनों में से एक सिक्किम में हुआ था जहाँ उन्हें जनता की राय जानने और भारत विरोधी गतिविधियों का पता लगाने की जिम्मेदारी दी गई थी। डोभाल की रिपोर्ट के बाद सिक्किम की विधानसभा ने राजशाही

खत्म करने और भारत से जुड़ने के पक्ष में मतदान किया। कब हुई थी राजा-रानी की शादी? सिक्किम तब भारत का संरक्षित राज्य था। यानी रक्षा और विदेश नीति भारत के हाथ में थी, लेकिन आंतरिक मामले राजा संभालते थे।

डोभाल ने कैसे संभाली जिम्मेदारी?

यहीं पर युवा खुफिया अफसर अजीत डोभाल को जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्हें सिक्किम के हालात समझने और जनता की नब्ज टटोलने का काम दिया गया। डोभाल ने स्थानीय लोगों से बातचीत की। उनकी रिपोर्ट में साफ हुआ कि सिक्किम की जनता, खासकर नेपाली बहुल आबादी राजा और रानी से नाराज हैं। लोगों को लगता था कि महल अलग-थलग और भारत विरोधी है। डोभाल की रिपोर्ट से दिल्ली को यकीन हो गया कि सिक्किम का भारत में विलय न केवल रणनीतिक रूप से सही है बल्कि जनता भी यही चाहती है।

गौहत्या के आरोपी को जमानत देने से इंकार

पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट का अहम फैसला

नई दिल्ली। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने गौहत्या के एक मामले में आरोपी आसिफ को जमानत देने से इंकार किया है। जस्टिस संदीप मुद्गिल की बेंच ने फैसले में कहा कि आसिफ आदतन अपराधी है और उसने पहले भी मिली छूट का गलत फायदा उठाया है। कोर्ट ने बताया कि आसिफ पहले भी गौहत्या के आरोप का सामना कर चुका है। बार-बार इस तरह के अपराध करना न केवल कानून के खिलाफ है, बल्कि यह भारत की संवैधानिक और सांस्कृतिक संरचना के लिए भी खतरा है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि भारत में गाय को पवित्र माना जाता है और उसकी हत्या करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। बात दें कि आसिफ के खिलाफ 3

अप्रैल, 2025 को नूंह सदर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने एक गाड़ी से दो गायों को बरामद किया था, जिन्हें कथित तौर पर कत्ल के लिए राजस्थान ले जाया जा रहा था। पुलिस को गाड़ी से चाकू और कुल्हाड़ी भी मिली थीं, जिससे यह अनुमान लगाया गया कि गायों को मारने के लिए ही ले जाया जा रहा था। इस मामले में तसलीम, अमन और आसिफ नाम के तीन लोग शामिल थे।

भारतीय नौसेना को मिले आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि

ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल और बराक-8 से लैस

मुंबई। भारतीय नौसेना को मंगलवार को दो नए युद्धपोत आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि मिले है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, ये दोनों स्वदेशी जहाज हैं। इन्हें इस तरह डिजाइन किया गया है कि ये दुश्मन के रडार, इंफ्रारेड और ध्वनि सेंसर से बचे रहे। इनकी तैनाती से इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में होगी, जहां नौसेना की ताकत बढ़ेगी। दोनों युद्धपोत ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल और भारत-इजराइल बराक-8 लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली (एलआरएसएएम) से लैस है। इसमें 76एमएम नौसैनिक बंदूकें और समुद्री युद्ध में पानी के अंदर चलने वाला टारपीडो विस्फोटक हथियार भी तैनात है। आईएनएस हिमगिरि को कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने तैयार किया है। इसका नाम पुराने आईएनएस हिमगिरि से लिया गया है। आईएनएस उदयगिरि को मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने बनाया है। इसका नाम आंध्र प्रदेश की उदयगिरि पर्वत सीरीज के नाम पर रखा गया है, जो

सिर्फ 37 महीनों में बना है। 18 जून को देश के पहले एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस अणार्ला का कमीशन हुआ था। इस विशाखापट्टनम के नेवी डॉकयार्ड में कमीशन किया गया था। कार्यक्रम में चीफ गेस्ट के तौर पर सीडीएस जनरल अनिल चौहान मौजूद रहे थे। महाराष्ट्र के वसई के ऐतिहासिक अणार्ला किले के नाम पर यह नाम दिया गया। यह जहाज हिंद महासागर में नौसेना की ताकतवार मौजूदगी के लिए डिजाइन किया गया। जो उथले पानी में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाने, ट्रैक और निष्क्रिय करने में सक्षम है।

यूथ ऑफ बिहार 2047 स्टूडेंट कॉन्क्लेव में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा – भारत दुनिया में नंबर एक देश बनेगा

भारत कोई धर्मशाला नहीं, वोट देने का अधिकार सिर्फ भारतीय को - धर्मेंद्र प्रधान

- जिन लोगों ने बंदूक और बम से गरीबों के वोट की चोरी की वे आज संविधान की पुस्तक लेकर घूम रहे हैं- धर्मेंद्र प्रधान
- भारत के युवाओं ने विश्व में अपनी क्षमता और सामर्थ्य साबित किया है- डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना। बिहार की राजधानी पटना के ज्ञान भवन में मंगलवार को यूथ ऑफ बिहार @2047 स्टूडेंट कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप

जायसवाल और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने संबोधित किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत दुनिया का नंबर एक देश बनेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इसकी एक शर्त है कि इसका नेतृत्व बिहार को करना होगा। उन्होंने यहां के युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे आगे आएं और इस जिम्मेदारी को संभालें। उन्होंने कहा कि बिहार इसके पहले भी नेतृत्व करता रहा है। उन्होंने कहा कि देश में नौजवानों की ताकत तेजी से आगे बढ़ी है। खेल, नाटक, संगीत, विज्ञान में अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आपातकाल के दौरान शुरू हुए जेपी आन्दोलन की भी चर्चा की और कहा कि इसी गांधी मैदान से इसकी शुरूआत हुई थी। हालाँकि अब नौजवानों की भूमिका बदली है, लेकिन लक्ष्य नहीं बदला है। भारत के लिए जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने विपक्ष के वोट चोरी के आरोपों को लेकर विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि राजद और कांग्रेस आज गलत बयानी कर लोगों को बरगला कर अराजकता फैलाना चाहते हैं। युवाओं से आह्वान किया कि आप पता लगाएँ कि बिहार में वोट चोरी किसने की? इन लोगों ने पिछले दिनों बंदूक और बम से गरीबों का वोट चोरी किया है और आज वे संविधान की पुस्तक लेकर घूम रहे हैं।

यहां 20 साल से एनडीए की सरकार है

आज एनडीए बिहार और देश को आगे ले जाने के लिए कार्य कर रहा है। अब आगे बिहार के युवा नेतृत्व की जिम्मेदारी है कि वे इसे आगे ले जाएं। उन्होंने कहा कि आज गरीब देश भारत की ओर देख रहे हैं। उन्हें भारत से उम्मीद है। देश में नया वातावरण बना है, रोज नवाचार हो रहे हैं। भारत के नौजवान अब सपने देखने लगे हैं और अब वे नौकरी देने वाले बन रहे हैं। तकनीक को माध्यम बनाकर अब बिहार के युवा आगे आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि आज यहां के युवाओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खड़े हैं।

आरपीएससी ने 524 अभ्यर्थियों को भर्ती परीक्षाओं से बैन किया

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) ने 524 अभ्यर्थियों को भर्ती परीक्षाओं से डिबार (बैन) कर दिया है। इसमें से 415 अभ्यर्थी आजीवन आरपीएससी की कोई परीक्षा नहीं दे पाएंगे। वहीं 109 अभ्यर्थियों को एक से पांच साल तक के लिए बैन किया है। बैन किए गए स्टूडेंट्स में उत्तर प्रदेश से 5, हरियाणा से 2, बिहार से 1, दिल्ली से 1 और मध्य प्रदेश से 1 हैं। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने इस बारे में बताया कि सरकारी नौकरियों में तलाकशुदा महिलाओं के लिए कोटा निर्धारित है। आयोग की जानकारी में आया है कि इस आरक्षित कोटे से नौकरी पाने के लिए कई अभ्यर्थियों ने तलाक के फर्जी सर्टिफिकेट बनवाए। इसमें से कुछ प्रकरणों में अभ्यर्थी की ओर से तलाक की डिक्री प्राप्त कर तलाकशुदा कोटे में विभिन्न भर्तियों में आवेदन किया। आयोग की ओर से इसतरह के प्रकरणों में प्राप्त शिकायतों के आधार पर जांच एजेंसियों को लिखा गया है। इस प्रकार के प्रकरणों में जांच पूर्ण होने के बाद रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। आयोग की ओर से मल्टीपल एसएसओ आईडी से आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों पर भी नजर रखी जा रही है। इसतरह के आवेदक जिनकी ओर से एक ही परीक्षा में अलग-अलग पारी में बैठने का प्रयास किया गया और इसके लिए मल्टीपल आवेदन किए गए हैं, उन्हें भी भर्ती परीक्षाओं से डिबार किया गया है।

भारतीय वायुसेना ने लड़ाकू विमान मिग-21 को औपचारिक रूप से रिटायर किया

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने मिग-21 को सम्मानजनक विदाई दी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना ने 26 अगस्त 2025 को अपने पुराने और भरोसेमंद लड़ाकू विमान मिग-21 को औपचारिक रूप से रिटायर किया। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने मिग-21 को सम्मानजनक विदाई देते हुए बीकानेर में स्क्वॉड्रन लीडर प्रिया के साथ इसकी अंतिम उड़ान भरी। तकनीकी रूप से मिकोयान-गुरेविच मिग-21 के नाम से जाना जाने वाला यह सुपरसोनिक फाइटर जेट 1960 के दशक में भारतीय वायुसेना में शामिल हुआ था। सोवियत संघ द्वारा निर्मित इस विमान ने अपनी तेज गति, हल्के डिजाइन और शानदार युद्ध क्षमता के कारण भारतीय वायुसेना में एक महत्वपूर्ण स्थान बनाया। मिग-21 ने 1965, 1971 और 1999 के कारगिल युद्ध जैसे कई संघर्षों में अहम भूमिका निभाई। 1971 के भारत-पाक युद्ध में इसने दुश्मन के विमानों को चुनौती देकर

भारतीय वायुसेना को कई जीत दिलाई। अपनी लंबी सेवा के दौरान, बार-बार होने वाली तकनीकी खराबियों के कारण इसे फ्लाइंग कॉफिन भी कहा गया। हालांकि, यह विमान हमेशा अपने पायलटों के साहस और वायुसेना की तकनीकी विशेषज्ञता के दम पर अपने आलोचकों को गलत साबित करता रहा। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल सिंह ने बीकानेर में मिग-21 को विदाई देकर इसकी अंतिम उड़ान भरी। इस ऐतिहासिक उड़ान में स्क्वॉड्रन लीडर प्रिया का नेतृत्व विशेष रूप से उल्लेखनीय था। उनकी भागीदारी ने न केवल वायुसेना की गौरवशाली परंपराओं को दर्शाया, बल्कि आधुनिक भारतीय वायुसेना में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को भी प्रदर्शित किया। इस अवसर पर, वायुसेना प्रमुख ने मिग-21 के योगदान को याद करते हुए कहा कि यह विमान भारतीय वायुसेना की रीढ़ रहा है और इसने हमारे पायलटों को साहस और अनुशासन सिखाया है। 26 सितंबर 2025 को मिग-21 का रिटायरमेंट भारतीय वायुसेना के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अब मिग-21 की जगह स्वदेशी तेजस, राफेल और अन्य आधुनिक विमान ले रहे हैं। ये नए विमान न केवल तकनीकी रूप से उन्नत हैं, बल्कि भारतीय वायुसेना को वैश्विक स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने में भी सक्षम हैं। मिग-21 की विदाई के साथ, भारतीय वायुसेना ने अपनी आधुनिकीकरण की प्रतिबद्धता को दोहराया है। अब वायुसेना ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य उन्नत तकनीकों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, ताकि भविष्य की चुनौतियों का सामना किया जा सके।

मध्य प्रदेश के दो शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

इंदौर। देश में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए, केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 की घोषणा कर दी है। इस वर्ष, उच्च शिक्षा संस्थानों और पॉलिटेक्निक से कुल 21 शिक्षकों को इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चुना गया है, जिसमें मध्य प्रदेश से दो शिक्षकों को प्रमुखता मिली है। इंदौर स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के डॉ. देबयान सरकार और भोपाल के भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) के डॉ. चंदन साही को उनके उत्कृष्ट शिक्षण कौशल, नवाचार और शोध कार्यों के लिए यह पुरस्कार दिया जाएगा। पुरस्कार के लिए चयन प्रक्रिया बेहद कठोर थी, जिसमें शिक्षण-अधिगम प्रभावशीलता, शोध, नवाचार और सामुदायिक सेवा जैसे कई मानदंडों को महत्व दिया गया। इन दोनों शिक्षकों ने इन सभी मापदंडों पर खरा उतरते हुए राज्य का नाम रोशन किया है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय स्तर इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चुने गए अन्य शिक्षकों में कर्नाटक से डॉ. श्रीदेवी और डॉ. शोभा एम ई, पंजाब से डॉ. अंजना भाटिया, तेलंगाना से प्रो. संकेत गोयल और प्रो. विनीत एनबी, महाराष्ट्र से डॉ. नीलाक्षी सुभाष जैन, केरल से प्रो. मनोज बी.एस., तमिलनाडु से प्रो. शंकर श्रीराम शंकरन, उत्तर प्रदेश से प्रो. विभा शर्मा, गुजरात से प्रो. अमित कुमार द्विवेदी और उर्विश प्रवीणकुमार सोनी, मिजोरम से डॉ. जोरमदिनथारा, नई दिल्ली से प्रो. गणेश तिम्मन्ना पंडित, अरुणाचल प्रदेश से डॉ. प्रोशांतो कुमार साहा, पुदुचेरी से प्रो. एस शिव सत्या और आंध्र प्रदेश से प्रो. विजयलक्ष्मी जे तथा डॉ. मेंडा देवानंद कुमार भी शामिल हैं।

गणेश चतुर्थी और नवरात्रि के आयोजन में स्वदेशी सामान को किया जाए प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

गणेश चतुर्थी पर्व पर रहेगा प्रदेश में अवकाश

- राज्य शासन की अवकाश व्यवस्था की समीक्षा के लिए बनेगी समिति
- नगरीय निकायों के आगामी आम निर्वाचन, 2027 में अध्यक्ष पद का निर्वाचन प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा होगा
- मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मंत्रि-परिषद से पहले किया संबोधित
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में धार्मिक पर्यटन और तीर्थाटन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 27 अगस्त को उज्जैन में ग्लोबल स्पिरिचुअल कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है।

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गणेश चतुर्थी पर्व पर संपूर्ण प्रदेश में अवकाश रहेगा। उन्होंने राज्य शासन द्वारा निर्धारित अवकाश व्यवस्था की समीक्षा के लिए समिति गठित करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया नगरीय निकायों के आगामी आम निर्वाचन, 2027 में अध्यक्ष पद का निर्वाचन प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं के द्वारा कराया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रि-परिषद के पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गणेश चतुर्थी और नवरात्रि के आयोजन में स्वदेशी सामान को प्रोत्साहित किया जाए। मूर्ति निर्माण में मिट्टी और लुगदी को प्राथमिकता दी जाए और पर्यावरण संरक्षण के लिए चुनौती बन रहे प्लास्टर ऑफ पेरिस को हतोत्साहित किया जाए। सार्वजनिक धार्मिक आयोजनों सहित घरों में होने वाले पूजा-पाठ में देश में ही बने वस्त्र और साज-सज्जा की सामग्री का उपयोग हो। इससे छोटे व्यापारियों को प्रोत्साहन मिलेगा और हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लक्ष्य की ओर अग्रसर होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में कटनी में हुई माइनिंग कॉन्क्लेव की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कॉन्क्लेव में 56 हजार 414 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले। आयोजन क्रिटिकल मिनरल, स्ट्रेटजिक मिनरल तथा रेयर अर्थ एलिमेंट की प्रदेश में संभावनाओं, इनके प्रसंस्करण संवर्धन पर केंद्रित रहा। आयोजन में टेक्समिन इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ माइन्स, आईआईटी धनबाद इत्यादि के साथ एमओयू किया गया। कोल इंडिया लिमिटेड, मैंग्नीज ओर इंडिया लिमिटेड, हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान, संस्थान, टेक्समिन आईआईटी, इंडियन स्कूल ऑफ माईन्स, भारतीय रेयर अर्थ लिमिटेड, की भागीदारी रही। निजी संस्थाओं जैसे सिंघल बिजनेस प्राईवेट लिमिटेड विनम्र रिसोर्सेस, रमणीक पॉवर, मायनवेयर एडवायजर इत्यादि के प्रतिनिधियों से भी भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा प्रदेश में रोड नेटवर्क विस्तार के लिए 73 हजार करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की सौगात दी गई है। इनमें जबलपुर-भोपाल ग्रीन फील्ड हाईवे 255 कि.मी., इंदौर- भोपाल ग्रीन फील्ड कॉरिडोर, 160 कि.मी., लखनादौन-रायपुर फोर लेन हाईवे, 220 कि.मी. के अलावा उज्जैन-झालावाड़ मार्ग, बरनावर-टिमरनी मार्ग, खंडवा-बैतूल फोर लेन, इंदौर सिक्स लेन पूर्वी बायपास और इसी तरह से कुल मिलाकर 27 परियोजनाएं मुख्य हैं। कान्हा, बांधवगढ़,पेंच और पन्ना राष्ट्रीय उद्यानों को आपस में जोड़ने के लिए टाईगर कॉरिडोर बनाया जाएगा। प्रदेश में बंदरगाहों से सीधे कनेक्टीविटी मिलेगी और पर्यटन का विकास होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में आरंभ हो रहे नए मेडिकल कॉलेजों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय मंत्री श्री जे.पी. नड्डा के जबलपुर प्रवास के दौरान भारत सरकार के सहयोग से निर्मित प्रदेश के दो मेडिकल कॉलेज श्योपुर और सिंगरौली का लोकार्पण किया गया। केन्द्रीय मंत्री द्वारा इन कॉलेज के लिए 100-100 मेडिकल सीट का स्वीकृति-पत्र प्रदान किया। वर्तमान में प्रदेश में शासकीय मेडिकल कॉलेज की संख्या 19 हो गई है, पहले यह संख्या 17 थी। वर्तमान में प्रदेश में 2575 एमबीबीएस सीट और 1357 पी.जी. सीट हैं। प्रदेश सरकार के नवाचार के रूप में पीपीपी आधार पर मेडिकल कॉलेज के निर्माण की योजना के क्रम में चार मेडिकल कॉलेज-कटनी,धार, बैतूल और पन्ना के अनुबंध का निष्पादन किया गया। आगामी एक वर्ष में ये चार कॉलेज शिक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में धार्मिक पर्यटन और तीर्थाटन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 27 अगस्त को उज्जैन में ग्लोबल स्पिरिचुअल कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। यह कॉन्क्लेव केवल एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि एक ऐसा मंच है जहां हम अपनी समृद्ध संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को दुनिया के सामने प्रस्तुत कर सकते हैं। इस कॉन्क्लेव में देश-विदेश से कई आध्यात्मिक गुरु, विचारक सहित 300 से अधिक गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे। इसमें कॉर्पोरेट आतिथ्य क्षेत्र के दिग्गज, बड़े मंदिर ट्रस्टों के अधिकारी, तकनीकि नवाचार कर्ता शामिल होंगे। इसमें देश के सभी प्रमुख मठ -मंदिरों और तीर्थों के प्रबंधन व ट्रस्टीज को आमंत्रित किया गया है । मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव का आयोजन 29 और 30 अगस्त को ग्वालियर में किया जा रहा है। इससे मध्यप्रदेश में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि और ग्वालियर- चंबल एवं सागर संभाग में पर्यटन निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। यह क्षेत्र औद्योगिक और आर्थिक विकास का एक नया केंद्र बनेगा। इस कॉन्क्लेव में देश-विदेश के 500 से अधिक प्रमुख पर्यटन विशेषज्ञ, नीति-निमार्ता और उद्योगपति शामिल होंगे।

विद्यार्थियों के विचारों को डवलप करने में हरसंभव मदद करेगा विश्वविद्यालय - प्रो एसके जैन

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के इनक्युबेशन सेंटर, प्लेसमेंट सेल एवं बीयूआईटी विभाग के एक दिवसीय बूटकैंप कार्यक्रम का आयोजन किया

दैनिक भेल पॉवर

गया। प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम उषा) के अंतर्गत आज बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में एक दिवसीय बूटकैम्प का उदघाटन विश्वविद्यालय कुलगुरू प्रो एसके जैन ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छात्रों के जो भी प्रोजेक्ट्स हैं, उसका वे प्रस्ताव बना कर दें। उनके प्रस्ताव को डवलप करने के लिए विश्वविद्यालय हरसंभव मदद प्रदान करेगा। कुलगुरू ने उद्योगों से आव्हान किया कि उन्हें अपनी सुविधा व विकास के लिए जिन प्रोड्क्ट्स की आवश्यकता है उसका आइडिया वे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ शेयर करें। हमारे विश्वविद्यालय के विद्यार्थी किसी भी आइडिया को डवलप करने के लिए पूर्णतः समर्थ हैं।

कुलगुरू ने कहा कि वे चाहते हैं कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के द्वारा बनाए गए कुल लाइव मॉडल, कुल लाइव ऐप मार्केट में नजर आएं । इनक्युबेशन सेंटर के नोडल ऑफि सर एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ आर. के. गर्ग ने बुटकैम्प के उद्देश्यों एवं प्रस्तुत होने वाले इनोवेटिव आइडियाज के बारे में विस्तृत जानकारी एवं इमक्युबेशन सेंटर में होने वाली गतिविधियों के बारे में छात्रों को अवगत कराया । आज के इस बूटकैंप में डॉ एचएस भार्गव वैज्ञानिक एम्प्री-सीएसआईआर भोपाल प्रो नीरज गौर डायरेक्टर बीयूआईटीप्रो रागिनी गोथलवाल, विपिन व्यास नोडल ऑफिसर पीएम उषा, डॉ अनीता तिलवारी, डॉ रूपाली शेवेलकर, डॉ अभिलाषा भावसार समन्वयक पीएम उषा परियोजना आदि डॉ रेखा खंडिया प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

आज से 10 दिवसीय गणेश उत्सव शुरूआत, प्राचीन चिंतामन गणेश मंदिर में उमड़ेगा भक्तों का तांता

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। *आज से 10 दिवसीय गणेश उत्सव की शुरूआत हो गई है और इस अवसर पर प्रसिद्ध चिंतामन गणेश मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी। माना जाता है कि यह मंदिर देश के उन चार स्वयंभू गणेश मंदिरों में से एक है, जहां भगवान गणेश स्वयं मूर्ति रूप में विराजमान हैं। इस मंदिर की स्थापना राजा विक्रमादित्य ने लगभग दो हजार साल पहले की थी। ऐसी मान्यता है कि यहाँ आने वाले भक्तों की सभी चिंताएं दूर होती हैं। मंदिर में अपनी मनोकामनाएं लेकर आने वाले भक्त पीछे की दीवार पर उल्टा स्वास्तिक बनाते हैं और मन्नत पूरी होने पर उसे सीधा करने दोबारा आते हैं। भोपाल से 40 किलोमीटर दूरए पार्वती नदी के किनारे गोपालपुर गांव में स्थित यह मंदिर अपनी ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व के लिए जाना जाता है। यह 84 सिद्ध गणेश मंदिरों में से एक है और इसका निर्माण पेशवाकालीन श्रीयंत्र के आधार पर किया गया है। गणेश उत्सव के इन 10 दिनों में यहां विशेष पूजा.अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।*

मंडी के व्यापारी के साथ धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को 2 साल की कैद और 2000 रुपये का जुमार्ना

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। *जिला न्यायालय ने मंडी में एक व्यापारी के साथ धोखाधड़ी के मामले में आरोपी मोहम्मद सलीम को 2 साल के कारावास और 2000 रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई है। यह फैसला न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम शिवानी श्रीवास्तव ने सुनाया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, मंडी के व्यापारी अशोक जैन ने अपनी कंपनी 'श्री ट्रेडिंग कंपनी' से 20 अक्टूबर 2023 को एक ट्रक में 425 बोरी गल्ला लोड करवाया था। यह गल्ला बंगलुरु में 'कृष्णा फ्लोर मिल' को भेजना था। गल्ला पहुँचाने के लिए 350 रुपये प्रति क्विंटल का भाड़ा तय हुआ था और ड्राइवर मोहम्मद सलीम को 15,000 रुपये एडवांस दिए गए थे। ट्रक को 23 अक्टूबर 2023 की रात तक बंगलुरु पहुँचना था, लेकिन वह तय जगह पर नहीं पहुँचा। व्यापारी ने ड्राइवर सलीम और वाहन मालिक अन्फासुल हसन से संपर्क किया तो दोनों ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया और लगातार गुमराह करते रहे। इसके बाद व्यापारी ने मंडी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच के बाद, न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया गया। विचारण के दौरान, वाहन मालिक अन्फासुल हसन को फरार घोषित कर दिया गया। न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, आरोपी मोहम्मद सलीम को भारतीय दंड संहिता (कढउ) की धारा 406 के तहत दोषी पाया। न्यायालय ने सलीम को 2 साल के कठोर कारावास और 2000 रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई। इस केस की पैरवी सहायक जिला अभियोजन अधिकारी रानी जैन ने की।*

तालाब निर्माण कार्य में हुई गड़बड़ी होने पर जांच के निर्देश जारी

रायसेन जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदोरिया के संज्ञान में जानकारी आते ही उन्होंने तुरंत ही कार्रवाई

दैनिक भेल पॉवर

रायसेन। जिला पंचायत रायसेन कार्यालय को ग्राम पंचायत पदरभटा के ग्राम गोपई में पठार वाला तालाब निर्माण कार्य के संबंध में शिकायत का जांच प्रतिवेदन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बेगमगंज द्वारा प्रस्तुत किया, गया, जिस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए, सीईओ जिला पंचायत रायसेन ने जांच प्रतिवेदन के अनुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

क्या है मामला-

ग्राम गोपई में पठार वाला तालाब निर्माण कार्य की कुल स्वीकृत राशि 18.63 लाख रुपये है। वर्तमान में तालाब निर्माण कार्य में बेस्टवियर का कार्य शेष है। जांच प्रतिवेदन के अनुसार, उपयंत्री द्वारा प्रस्तुत माप पुस्तिका में कई अनियमितताएं पाई गई हैं, जैसे कि कूट रचित माप पुस्तिका, फर्जी हस्ताक्षर, और ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज न होना।

जांच और कार्यवाही की जाएगी-

सीईओ जिला पंचायत रायसेन ने जांच प्रतिवेदन के अनुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। नियत समय सीमा में साक्ष्य प्रस्तुत नहीं करने पर कार्यवाही की जाएगी। संदेहास्पद माप पुस्तिका एवं मस्टर रोल जांच के दायरे में हैं। मामले में तत्कालीन सरपंच गुड्डी है सहित तत्कालीन पंचायत सचिव राहुल एवं रोजगार सहायक रामकुमार शर्मा पर भी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी,

स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने की तिथि तय-

निम्नलिखित प्रकरण के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने की तिथि 27 अगस्त 2025 नियत की गई है। नियत दिनांक को साक्ष के साथ उपस्थित नहीं होने पर नियम विरुद्ध कार्रवाई की जाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

समय सीमा में कार्यवाही की जाएगी-

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने बताया कि इस मामले में आगे की जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी , साथ ही 15वे वित्त की राशि का दुरुपयोग एवं वसूली के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

खराब फसल का बीमा न मिलने से किसान नाराज, कलेक्ट्रेट में दिया धरना

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। जिला मुख्यालय सहित आसपास के दर्जनों गांवों के किसानों ने अपनी खराब फसलों का बीमा क्लेम न मिलने से नाराज होकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। समाजसेवी एमएस मेवाड़ा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली में खराब हुई सोयाबीन की फसल लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुँचे और सरकार व बीमा कंपनी के खिलाफ नारे लगाते हुए धरने पर बैठ गए। किसानों का कहना है कि पिछले पांच सालों से प्राकृतिक आपदाओं के कारण उनकी सोयाबीन और गेहूं की फसलें लगातार खराब हो रही हैं, लेकिन उन्हें बीमा राशि नहीं मिल रही है। हाल ही में कुछ किसानों को मिली बीमा राशि 1 से 200 रुपये प्रति एकड़ जितनी कम थी, जिसे उन्होंने ऊंट के मुंह में जीरा बताया। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने पांच साल से खराब हो रही फसलों का बीमा दो या बीमा काटना बंद करो, जैसे नारे लगाए। उन्होंने प्रधानमंत्री, केंद्रीय कृषि मंत्री, मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम और संयुक्त कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर बीमा कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सभी किसानों को पाँच साल की संपूर्ण बीमा राशि देने की मांग की।

गजेन्द्र पटेल बने कौरव युवा सभा के उपाध्यक्ष

दैनिक भेल पॉवर

बनखेड़ी। अखिल भारतीय कौरव युवा सभा की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा सोमवार को महासभा अध्यक्ष अभिषेक पटेल गोंगावली ने की। यह कार्यकारिणी अखिल भारतीय कौरव महासभा के अध्यक्ष राव पवन सिंह, तेंदूखेड़ा विधायक एवं महासभा के संरक्षक विश्वनाथ सिंह मुलायम भैया सहित समाज के वरिष्ठ जनों की सहमति से की गई है। कार्यकारिणी में नर्मदापुरम जिले के पांच युवाओं को शामिल किया गया है। बनखेड़ी क्षेत्र के ग्राम खरसली निवासी युवा सरपंच गजेन्द्र सिंह पटेल को कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। गौरतलब है कि श्री पटेल पिछली कार्यकारिणी में मंडल अध्यक्ष थे तथा समाज के प्रति अच्छा कार्य करने के कारण उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। इसी प्रकार गिरिराज अभिषेक कौरव पथरकुही को सहसचिव, कमलेश कौरव को सहप्रचार मंत्री मनोनीत किया गया। युवासभा ने पथरकुही निवासी प्रशांत कौरव को मंडल का अध्यक्ष तथा डंगरहाई निवासी आदर्श कौरव मोनू को मंडल का संयोजक नियुक्त किया है। सभी मनोनीत पदाधिकारियों को कौरव समाज के वरिष्ठ सुभाष सिंह गोहल, जगदीश पटेल, आरएन सिंह पटेल, अरविंद पटेल, गोविंद कौरव,शंकर सिंह कौरव, दर्शन सरेठा, ब्रजेश कौरव, सुनील कौरव, जितेंद्र कौरव, राजेश कौरव,ऋतिक कौरव , हरिओम कौरव, मनीष कौरव, आशीष कौरव सहित बड़ी संख्या में सामाजिक जनों ने शुभकामनाएं दी हैं।

खाटू श्याम मंदिर समिति की बैठक सम्पन्न, ऋषि बने कार्यक्रम अध्यक्ष

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। शहर के आस्था का केंद्र बने खाटू श्याम मंदिर की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 20 और 21 नवंबर को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर विवेक राठौर के मार्गदर्शन में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर मंदिर संस्थापक और कार्यक्रम अध्यक्ष ऋषि सोलंकी की अध्यक्षता में निर्णय लिया गया कि 20 नवंबर को शहर में एक भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद 21 नवंबर को खाटू श्याम मंदिर में 11 जोड़ों का निःशुल्क विवाह सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें लगभग एक लाख लोगों का भंडारा भी होगा। बैठक में खाटू श्याम मंदिर के प्रमुख संरक्षक विवेक राठौर, अध्यक्ष जगदीश सोलंकी, संरक्षक मांगीलाल सोलंकी, उपाध्यक्ष दिनेश सोलंकी, कोषाध्यक्ष मनीष सोलंकी, और सदस्य यश सोलंकी सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

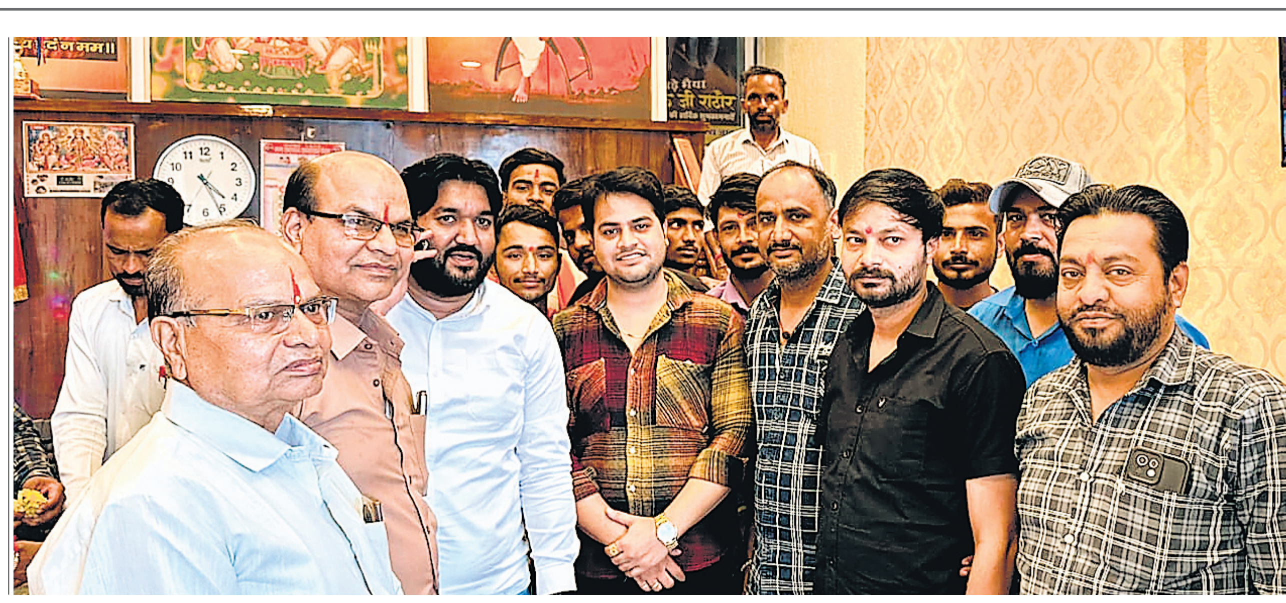

NAME CHANGE

I, Basudev Vyas S/o Satyanarayan Vyas R/o Chhipipura Kasba, Sehore, Madhya Pradesh-486001 have changed my name to Vansh Vyas.

विश्व आनंद योजना क्रियान्वित करना हमारा कर्तव्य : ब्रह्मचारी गिरीश

दैनिक भेल पॉवर

महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी का जन्मदिन सोमवार को साधु, संत एवं महात्माओं की उपस्थिति में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को संबोधित करते हुए ब्रह्मचारी गिरीश जी ने कहा कि आज का दिन उत्सव का दिन है इसलिए नहीं कि आज हमारा जन्मदिन है बल्कि इसलिए कि देश के कई सुप्रसिद्ध संत, महात्मा एवं साधु हमें आशीर्वाद देने के लिए मंच पर उपस्थित हैं। ब्रह्मचारी जी गिरीश जी ने कहा कि बचपन से ही हमें साधु संतों और नागाओं का सानिध्य मिला है। हमें गुरु चरणों में कार्य करते हुए 60 वर्ष हो गए हैं एक बार हमें एक संत ने पूछा कि गिरीश जी आपकी इच्छा क्या है तब हमने कहा कि जीवन के रहते महर्षि जी गुरुदेव के सारे संकल्प पूरे हो जाएं बस इतना आशीर्वाद दे दीजिए। इस पर ब्रह्मचारी गिरीश जी ने कहा कि 65 वर्ष तक हमने जीवन आनंद के लिए है मानकर मनाया है और आप जैसे सभी संतो का सदैव आशीर्वाद मिलता रहा है इसलिए हमें मोक्ष की चाहत श्री गुरु चरणों में है।

इस अवसर पर ब्रह्मचारी गिरीश जी ने उपस्थित साधु संतों के साथ मिलकर आदर्श भारत निर्माण के लिए आनंदमय विश्व योजना, महर्षि वर्ल्ड डॉटकाम, एवं महागुरु डॉटकाम नामक वेबसाइट को लांच किया। इन दोनों वेबसाइटों में महर्षि जी एवं उनके तपोनिष्ट शिष्य ब्रह्मचारी गिरीश जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया है। इस अवसर पर ब्रह्मचारी गिरीश जी ने कहा कि विश्व आनंद योजना क्रियान्वित करना हम सभी का कर्तव्य है।

इस अवसर पर स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती जी महाराज, स्वामी रामविलास वेदांती जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी अनिलआनंद, अयोध्या के स्वामी रामदास जी महाराज, प्रयागराज के स्वामी अभिरामाचार्य जी महाराज, झांसी के महंत स्वामी अर्पित दास जी महाराज सहित हिमालय में ३ग्लेशियर बाबा३ के नाम से सुप्रसिद्ध संत बाल योगी चैतन्य जी महाराज ने ब्रह्मचारी गिरीश जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। इसके पश्चात संध्या काल में भारतीय शास्त्रीय संगीत का कार्यक्रम भी रखा गया। जिसमे बांसुरी वादक पंडित पारसनाथ, सुप्रसिद्ध शहनाई वादक अश्विनी शंकर ,सुप्रसिद्ध सरोद वादक स्मित तिवारी, सुप्रसिद्ध तबला वादक अनूप घोष, सुप्रसिद्ध तबला वादक शांतनु नरेंद्र, सुप्रसिद्ध कीबोर्ड प्लेयर अनिलधुमाल सहित इंस्ट्रूमेंट प्लेयर सिद्धेश नरेंद्र मिलजुलकर संगीत में भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दीं।

श्री सत्य साई विश्वविद्यालय में विशाल रोजगार मेले का आयोजन

विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. सुनील कपूर ने इस पहल को युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया है। इस मेले के साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में एक इंडस्ट्रियल पार्क की स्थापना भी की जा रही है

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। श्री सत्य साई प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में 28 और 29 अगस्त को रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। यह मेला देश के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से निर्माण उद्योग विकास परिषद नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित हो रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मुकेश तिवारी के मार्गदर्शन में हो रहे इस आयोजन में देश विदेश की 150 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां हिस्सा लेंगी। मेले में 1500 से अधिक छात्रों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। इस दौरान टाटा पावर प्रोजेक्ट जैसी प्रमुख संस्थाओं में भी नौकरी के अवसर उपलब्ध होंगे। इसके अलावाए छात्रों के लिए मुफ्त बी वॉक पाठ्यक्रम शुरू करने की भी संभावना है। विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. सुनील कपूर ने इस पहल को युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया है। इस मेले के साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में एक इंडस्ट्रियल पार्क की स्थापना भी की जा रही है, जो भविष्य में और अधिक रोजगार के अवसर पैदा करेगा। यह आयोजन छात्रों और नियोक्ताओं दोनों के लिए एक शानदार मंच प्रदान करेगा।

इछावर में हुई चोरी के आरोपियों को भैरुंदा पुलिस ने दबोचा, माल भी बरामद

ैनिक भेल पॉवर

सीहोर। इछावर थाना पुलिस ने चोरी के तीन अलग-अलग मामलों का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से लगभग 2.50 लाख रुपये का चोरी का सामान बरामद किया है। आरोपियों ने किराना दुकान, ऑटो पार्ट्स की दुकान और मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी इछावर निरीक्षक पंकज वाडेकर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था। टीम को भैरूंदा पुलिस से सूचना मिली कि उनके द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपी हेमंत मीणा और राहुल मीणा ने इछावर में चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया है। इसके बाद इछावर पुलिस ने दोनों आरोपियों हेमंत मीणा और राहुल मीणा दोनों निवासी ग्राम कनेरिया को गिरफ्तार कर पूछताछ की। पूछताछ में उन्होंने निम्नलिखित तीन घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया। **तीन वारदातें कबूली** - 7 जुलाई की रातः बस स्टैंड स्थित सपना किराना स्टोर से किराना का सामान और नगदी की चोरी। - 5 जुलाई की रातः अनिल विश्वकर्मा की दुकान के सामने से मोटर साइकिल के टायर और ट्रैक्टर के टायर.जैक्स की चोरी। - 13 अगस्त की रातः ब्रिजेशनगर से एक प्लेटिना मोटर साइकिल की चोरी। **सामान बरामद**- पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गया सारा सामान, जिसमें किराना का सामान, टायर, जैक और मोटरसाइकिल शामिल है। बरामद कर लिया, जिसकी कुल कीमत करीब 2.50 लाख रुपये है।

सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण आयोजन को लेकर बैठक सम्पन्न

पुलिस अधीक्षक ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

इस अवसर पर विधायक मोहन शर्मा ने कहा कि नगर की सुख-समृद्धि और कल्याण के उद्देश्य से हो रहे ।

दैनिक भेल पॉवर

नरसिंहगढ़। आगामी सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण धार्मिक आयोजन की तैयारियों को लेकर सोमवार शाम स्टेडियम ग्राउंड में बैठक आयोजित की गई। यह भव्य आयोजन 29 अगस्त से 04 सितम्बर तक स्टेडियम ग्राउंड पर सम्पन्न होगा। बैठक में विभिन्न व्यवस्थाओं का जिम्मा अलग-अलग समितियों को सौंपा गया। इस अवसर पर विधायक मोहन शर्मा ने कहा कि नगर की सुख-समृद्धि और कल्याण के उद्देश्य से हो रहे इस आयोजन में नगरवासियों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने सभी नागरिकों से इसमें सक्रिय सहयोग की अपील की। बैठक में नगर के गणमान्य नागरिकों ने भी आयोजन को सफल बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव दिए। इसी क्रम में देर शाम पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी नरसिंहगढ़ पहुंचे और कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने एसडीओपी मिनी शुक्ला तथा टीआई शिवराज सिंह चौहान को सुरक्षा एवं ट्रैफिक व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

जनसुनवाई में 128 आवेदन प्राप्त हुए

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में एडीएम श्री अंकुर मेश्राम, श्री पी.सी. शाक्य ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 128 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एसडीएम श्री रविशंकर राय, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती निधि चौकसे एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। एडीएम श्री मेश्राम, श्री शाक्य ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

पटवारियों ने वेब जीआईएस 2.0 सॉफ्टवेयर से परेशान होकर सौंपा ज्ञापन

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। पटवारियों ने वेब जीआईएस 2.0 सॉफ्टवेयर में आ रही समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन सौंपा है। पटवारियों का कहना है कि सरकार ने बिना किसी पूर्व सूचना और ट्रेनिंग के यह अधूरा सॉफ्टवेयर उन पर थोप दिया है, जिससे उन्हें और किसानों को भारी परेशानी हो रही है। ज्ञापन में पटवारियों ने 15 से अधिक प्रमुख समस्याएं गिनाई हैं। उनका आरोप है कि नामांतरण और बंटवारे जैसी प्रक्रियाएं जटिल हो गई हैं, क्योंकि कई मामलों में अनावश्यक रूप से ओटीपी की मांग की जा रही है। इसके अलावा सॉफ्टवेयर में नक्शा तरमीम, डेटा माइग्रेशन में हुई गलतियों और प्रशासनिक अड़चनों के कारण काम समय पर पूरा नहीं हो पा रहा है। पटवारियों ने यह भी बताया कि तकनीकी खामियों के कारण उन्हें अधिकारियों की तरफ से निलंबन और वेतन रोकने जैसी कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है, जिससे वे मानसिक तनाव में हैं। उन्होंने सरकार से मांग की है कि जब तक सॉफ्टवेयर की सभी कमियों को दूर नहीं किया जाता, तब तक उन पर कोई कार्रवाई न की जाए। यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं होता है तो वे प्रदेशव्यापी आंदोलन के लिए मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

सीहोर में गौवंश की बेकद्री: हाईवे और गलियां बनीं मवेशियों का आशियाना!

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। प्रदेश सरकार द्वारा गौवंश के लिए आश्रय स्थल बनाने की महत्वाकांक्षी योजना जिले में कागजों तक ही सीमित होकर रह गई है। पिछले एक साल से अधिक समय से चल रही कवायद के बावजूद, जिले में 5000 से अधिक मवेशी आज भी सडकों पर भटकने को मजबूर हैं। भैरूंदा तहसील में गौआश्रय के लिए 125 एकड़ की सरकारी जमीन चिन्हित की गई है, लेकिन विडंबना यह है कि पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने अब तक इस स्थल का निरीक्षण तक नहीं किया है। जबकि इछावर, आष्टा, सीहोर और बुदनी जैसे अन्य विकासखंडों में जमीन की तलाश अभी भी जारी है। **मौजूदा गोशालाएं नाकाफी**- जिले में 55 सरकारी और 20 निजी गोशालाएं हैं, लेकिन इनकी क्षमता सिर्फ 100 मवेशियों को रखने की है, जो हजारों बेसहारा गौवंश के लिए पर्याप्त नहीं है। इस कमी के कारण गौवंश को सडकों पर छोड़ दिया जाता है। **मवेशियों के कारण होते हादसे**- अधिकारियों की सुस्त रफ्तार और उदासीनता के कारण पिछले साल इछावर में एक डंपर ने छह गायों को कुचल दिया था। ऐसे हादसे जिले भर में आम हो गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गौवंश संरक्षण की पहल के बावजूद, स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की लापरवाही से यह योजना जमीन पर उतर नहीं पा रही है। जब तक ठोस कदम नहीं उठाए जाते, तब तक गौमाता को सडकों पर ही अपने जीवन के लिए संघर्ष करना पड़ेगा।

विदिशा शहर के बदतर हालातों पर होगी चौराहे पर चर्चा

दैनिक भेल पॉवर

विदिशा। *नगर पालिका की असफलता, जिला प्रशासन की अनदेखी और जनप्रतिनिधियों की गैर जिम्मेदारी के कारण विदिशा शहर के बदतर हालातों पर रविवार दिनांक 31 अगस्त को शाम 6:00 बजे बड़ा बाजार चौराहे पर विदिशा विचार मंच के बैनर पर खुली परिचर्चा आयोजित की गई है । चौराहे पर चर्चा के आयोजन के लिए विदिशा विचार मंच की बैठक में तय हुआ कि, यह परिचर्चा एक खुला मंच और गैर राजनीतिक रूप में आयोजित की जाएगी, इसमें शहर के बदतर हालातों में जनप्रतिनिधियों की भूमिका३ विषय पर सभी वक्तागण अपनी बात रखेंगे । इस परिचर्चा में विदिशा शहर के सभी बुद्धिजीवियों, गणमान्य नागरिकों, समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों , प्रेस क्लब के साथियों, जनप्रतिनिधियों ,वरिष्ठ नागरिकों व आमजन को आमंत्रित किया गया । इस पर परिचर्चा के आयोजन को लेकर विदिशा विचार मंच की आज आयोजित बैठक में मुख्य रूप से आनंद प्रताप सिंह, करतार सिंह ,प्रदीप गुप्ता , आशीष माहेश्वरी,रमेश रैकवार ,संदीप अमावते,नरेंद्र शर्मा, सुमित वैद्य ,हनी गुप्ता, मंगल सिंह ठाकुर आदि उपस्थित थे ।* ***द्वारा आनंद प्रताप सिंह विदिशा 9425431525***

NAME CHANGE

I, Bhuraji Birle S/o Jagdish Birle R/o Gram Bhatyan Bujurg Post Amlatha, Kasrawad, Khargone, Madhya Pradesh-451228 have changed name of my minor daughter Riya Chhaotra aged 11 years to Siya Birle.

गणितीय तर्कशास्त्र का जनक ग्यूसेप पीनो

ग्यूसेप पीनो , एक इतालवी गि ातज्ञ और तर्कशास्त्री, 1890 से 1932 तक ट्यूरिन विश्वविद्यालय में गि ात के प्रोफेसर थे और उन्होंने 1886 से 1901 तक ट्यूरिन में सैन्य अकादमी में भी पढ़ाया।ग्यूसेप की माँ का एक भाई था जो ट्यूरिन में एक पुजारी और वकील था।

ग्यूसेप पीनो का जन्मदिन 27 अगस्त, 1858 को था। वह एक इतालवी गणितज्ञ और ग्लोटोलॉजिस्ट (भाषाविद) थे। उन्होंने गणितीय तर्क और सेट सिद्धांत की नींव रखी और प्राकृतिक संख्याओं के लिए पीनो स्वयंसिद्धों का निर्माण किया। ग्यूसेप पीनो के माता-पिता एक खेत में काम करते थे और ग्यूसेप का जन्म कुनेओ से लगभग 5 किमी दूर टेट्टो गैलेंट नामक फार्महाउस में हुआ था। उन्होंने स्पिनेटा के गाँव के स्कूल में पढ़ाई की, फिर कुनेओ के स्कूल में पढ़ाई की, जहाँ से वे रोजाना 5 किमी पैदल आते-जाते थे। उनके माता-पिता ने कुनेओ में एक घर खरीदा, लेकिन उनके पिता ग्यूसेप के एक भाई और बहन की मदद से टेट्टो गैलांट में खेतों में काम करते रहे, जबकि उनकी माँ ग्यूसेप और उनके बड़े भाई के साथ कुनेओ में ही रहीं।

ग्यूसेप पीनो , एक इतालवी गणितज्ञ और तर्कशास्त्री, 1890 से 1932 तक ट्यूरिन विश्वविद्यालय में गणित के प्रोफेसर थे और उन्होंने 1886 से 1901 तक ट्यूरिन में सैन्य अकादमी में भी पढ़ाया।ग्यूसेप की माँ का एक भाई था जो ट्यूरिन में एक पुजारी और वकील था। जब उन्हें एहसास हुआ कि ग्यूसेप एक बहुत ही प्रतिभाशाली बालक है, तो वे उसे 1870 में माध्यमिक शिक्षा और विश्वविद्यालय की पढ़ाई के लिए तैयार करने हेतु ट्यूरिन ले गए। ग्यूसेप ने 1873 में गिन्नासियो कावूर में परीक्षा दी और फिर लिसेओ कावूर में छात्र रहे, जहाँ से उन्होंने 1876 में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और उसी वर्ष उन्होंने ट्यूरिन विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया।ट्यूरिन विश्वविद्यालय में अपने पहले वर्ष में पीनो के शिक्षकों में डीओविडियो भी थे, जिन्होंने उन्हें विश्लेषणात्मक ज्यामिति और बीजगणित पढ़ाया। अपने दूसरे वर्ष में उन्हें एंजेलो जेनोची ने कलन और ग्यूसेप ब्रूनो ने वर्णनात्मक ज्यामिति पढ़ाई। पीनो ने अपने तीसरे वर्ष में शुद्ध गणित का अध्ययन जारी रखा और पाया कि ऐसा करने वाले वे अकेले छात्र थे। अन्य छात्रों ने उसी इंजीनियरिंग स्कूल में अपनी पढ़ाई जारी रखी थी जहाँ पीनो स्वयं मूल रूप से जाना चाहते थे। अपने तीसरे वर्ष में, फ्रांसेस्को फाआ डी ब्रूनो ने उन्हें विश्लेषण और डीओविडियो ने ज्यामिति पढ़ाया। उनके अंतिम वर्ष के

शिक्षकों में डीओविडियो भी थे जिन्होंने एक और ज्यामिति पाठ्यक्रम और फ्रांसेस्को सियाची ने यांत्रिकी पाठ्यक्रम पढ़ाया। 29 सितंबर 1880 को पीनो ने गणित में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।पीनो 1880 में ट्यूरिन विश्वविद्यालय में कार्यरत हुए और उन्हें डीओविडियो का सहायक नियुक्त किया गया। उन्होंने अपना पहला गणितीय शोधपत्र 1880 में और अगले वर्ष तीन और शोधपत्र प्रकाशित किए। पीनो को 1881-82 के लिए जेनोची का सहायक नियुक्त किया गया और 1882 में ही पीनो ने एक ऐसी खोज की जो कई वर्षों तक उनकी शैली की विशिष्ट रही, उन्होंने एक मानक परिभाषा में एक त्रुटि की खोज की।जेनोची इस समय तक काफी वृद्ध हो चुके थे और उनकी सेहत भी अपेक्षाकृत खराब थी, इसलिए पीनो ने उनके अध्यापन का कुछ कार्यभार संभाला। पीनो छात्रों को वक्र पृष्ठ के क्षेत्रफल के बारे में पढ़ाने ही वाले थे कि उन्हें एहसास हुआ कि सेरेट की किताब, जो उस पाठ्यक्रम की मानक पाठ्यपुस्तक थी, में दी गई परिभाषा गलत थी। पीनो ने तुरंत जेनोची को अपनी खोज के बारे में बताया और उन्हें बताया गया कि जेनोची को पहले से ही इसकी जानकारी थी। जेनोची को पिछले साल श्वाट्र्ज ने सूचित किया था, जो सेरेट की त्रुटि का पता लगाने वाले पहले व्यक्ति प्रतीत होते हैं।1884 में ट्यूरिन में जेनोची के व्याख्यानों पर आधारित एक पाठ प्रकाशित हुआ। यह पुस्तक, कोर्स इन इनफिनिटेसिमल कैलकुलस, हालाँकि जेनोची के व्याख्यानों पर आधारित है, लेकिन इसका संपादन पीनो ने किया था और वास्तव में इसमें स्वयं पीनो द्वारा लिखित बहुत कुछ है।

पीनो ने दिसंबर 1884 में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बनने की योग्यता प्राप्त की और उन्होंने आगे के पाठ्यक्रम पढ़ाना जारी रखा, कुछ जेनोची के लिए जिनका स्वास्थ्य अभी तक इतना ठीक नहीं हुआ था कि वे विश्वविद्यालय लौट सकें।प्रबल परिकल्पना वाले समाधानों का अस्तित्व पहले कॉशी और फिर लिप्सचिट्ज द्वारा दिया गया था। चार साल बाद, पीनो ने दिखाया कि ये समाधान अद्वितीय नहीं थे, ट्यूरिन विश्वविद्यालय में अध्यापन के अलावा, पीनो ने 1886 में ट्यूरिन स्थित सैन्य अकादमी में व्याख्यान देना शुरू किया। अगले वर्ष उन्होंने क्रमिक सन्निकटनों का उपयोग करके रैखिक अंतर समीकरणों के निकायों को हल करने की एक विधि की खोज की और उसे प्रकाशित किया। हालाँकि, एमिल पिकार्ड ने स्वतंत्र रूप से इस विधि की खोज की थी और इस विधि की खोज का श्रेय सबसे पहले श्वाट्र्ज.को दिया था। 1888 में, पीनो ने ज्यामितीय कलन नामक पुस्तक प्रकाशित की, जिसकी शुरूआत गणितीय तर्क पर एक अध्याय से होती है। यह इस विषय पर उनका पहला काम था जिसने अगले कुछ वर्षों में उनके शोध में एक प्रमुख भूमिका निभाई और यह श्रोडर, बूल और चार्ल्स पियर्स के काम पर आधारित था। पुस्तक की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें पीनो ने ग्रासमैन के उन विचारों को बड़ी स्पष्टता से प्रस्तुत किया है जिन्हें स्वयं ग्रासमैन ने ही अस्पष्ट रूप में प्रस्तुत किया था। इस पुस्तक में सदिश समष्टि की पहली परिभाषा है जो अत्यंत आधुनिक संकेतन और शैली में दी गई है और, हालाँकि उस समय इसे बहुतों ने सराहा नहीं था, यह निश्चित रूप से पीनो की एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।1889 में पीनो ने अपने प्रसिद्ध अभिगृहीत प्रकाशित किए, जिन्हें पीनो अभिगृहीत कहा जाता है, जो प्राकृतिक संख्याओं को समुच्चयों के रूप में परिभाषित करते हैं। ये एक पुस्तिका अरिथमेटिक्स प्रिंसिपिया, नोवा मेथोडो एक्सपोज़िटा में प्रकाशित हुए थे, जेनोची का 1889 में निधन हो गया और पीनो को उम्मीद थी कि उनकी जगह किसी और को नियुक्त किया जाएगा। उन्होंने कैसोराती को, जिन्हें वे नियुक्ति समिति का सदस्य मानते थे, जानकारी के लिए पत्र लिखा, लेकिन पता चला कि समिति में कार्य करने के लिए पर्याप्त सदस्य न मिलने के कारण देरी हो रही है। कैसोराती से संपर्क किया गया था, लेकिन उनका स्वास्थ्य इस कार्य के लिए उपयुक्त नहीं था। नियुक्ति होने से पहले ही पीनो ने एक और आश्चर्यजनक परिणाम प्रकाशित किया।उन्होंने 1890 में स्पेस-फिलिंग वक्रों का आविष्कार किया, ये से इकाई वर्ग पर सतत सर्वप्रक्षेपी मानचित्रण हैं। हिल्बर्ट ने 1891 में इसी तरह के स्पेस-फिलिंग वक्रों का वर्णन किया। ऐसा माना जाता था कि ऐसे वक्र अस्तित्व में नहीं हो सकते। कैंटर ने दशार्या था कि अंतराल और इकाई वर्ग के बीच एक द्विआबंध होता है, लेकिन कुछ ही समय बाद, नेट्टो ने सिद्ध किया कि ऐसा द्विआबंध सतत नहीं हो सकता।

दिसंबर 1890 में जेनोची के अध्यक्ष पद पर नियुक्त होने के लिए पीनो का इंतजार खत्म हुआ, जब सामान्य प्रतिस्पर्धा के बाद, पीनो को यह पद दिया गया। 1891 में पीनो ने रिविस्टा डि माटेमेटिका की स्थापना की, जो मुख्य रूप से तर्कशास्त्र और गणित की नींव को समर्पित एक पत्रिका थी। पहले भाग का पहला शोधपत्र पीनो द्वारा लिखा गया दस पृष्ठों का एक लेख है जिसमें उस समय तक गणितीय तर्कशास्त्र पर उनके काम का सारांश दिया गया है।पीनो अपवादों को पहचानकर प्रमेयों की अशुद्धि को पहचानने में माहिर थे। अन्य लोग इन त्रुटियों की ओर इशारा किए जाने से इतने खुश नहीं थे और उनके सहयोगी कोराडो सेग्रे भी ऐसे ही एक व्यक्ति थे। जब कोराडो सेग्रे ने रिविस्टा डि मेटमैटिका को एक लेख प्रस्तुत किया, तो पीनो ने बताया कि लेख में कुछ प्रमेयों में अपवाद थे। सेग्रे केवल अपवादों को खारिज करने वाली शर्तें जोड़कर प्रमेयों को सही करने के लिए तैयार नहीं थे, बल्कि उन्होंने अपने काम का बचाव करते हुए कहा कि खोज का क्षण एक सूत्रीकरण से ज्यादा महत्वपूर्ण था। बेशक, यह पीनो के गणित के प्रति कठोर दृष्टिकोण के इतने विपरीत था कि उन्होंने दृढ़ता से तर्क दिया:-मेरा मानना है कि गणित के इतिहास में यह नई बात है कि लेखक जानबूझकर अपने शोध प्रस्तावों में ऐसे अपवादों का उपयोग करते हैं जिनके अपवाद ज्ञात हैं, या जिनके लिए उनके पास कोई प्रमाण नहीं है.बेशक, यह उनकी सोच की सटीकता थी, जो उनके गणितीय तर्क की सटीकता का उपयोग करती थी, जिसने पीनो को विचारों की यह स्पष्टता प्रदान की। 1892 में, पीनो ने हरमन लॉरेंट के एक प्रमाण में एक त्रुटि की ओर इशारा किया और उसी वर्ष वेरोनीज की एक पुस्तक की समीक्षा की, और समीक्षा को इस टिप्पणी के साथ समाप्त किया:-लगभग 1892 से, पीनो ने एक नई और अत्यंत महत्वाकांक्षी परियोजना, फॉमूर्लारियो मैथेमेटिको, शुरू की। उन्होंने रिविस्टा डि माटेमेटिका के मार्च 1892 के भाग में अपने विचारों को स्पष्ट किया:-ह्लसबसे उपयोगी होगा उन सभी प्रमेयों के संग्रह का प्रकाशन जो अब ज्ञात हैं और जो गणितीय विज्ञान की दी गई शाखाओं से संबंधित हैं... ऐसा संग्रह, जो सामान्य भाषा में लंबा और कठिन होता, गणितीय तर्क के संकेतन का उपयोग करके स्पष्ट रूप से आसान बना दिया गया है

...कई मायनों में यह महान विचार पीनो के असाधारण रचनात्मक कार्य है। यह एक ऐसी परियोजना थी जिसका कुछ लोगों ने उत्साह से स्वागत किया और अधिकांश लोगों ने इसमें कम रुचि दिखाई। पीनो ने अपने आस-पास के सभी लोगों को इस परियोजना के महत्व पर विश्वास दिलाने की कोशिश शुरू कर दी, और इससे वे नाराज हो गए। हालाँकि, पीनो और उनके करीबी सहयोगी, जिनमें उनके सहायक वैलाती, बुराली-फोर्टी, पिएरी और फानो शामिल थे, जल्द ही इस काम में गहराई से शामिल हो गए।1896 में फॉमूर्लारियो मैथमैटिको के नए संस्करण का वर्णन करते हुए पीनो लिखते हैं:-प्रत्येक प्रोफेसर इस फॉमूर्लारियो को एक के रूप में अपना सकेगा। पाठ्यपुस्तक, क्योंकि उसमें सभी प्रमेय और सभी विधियाँ होनी चाहिए। उनका शिक्षण केवल सूत्रों को पढ़ना सिखाने और छात्रों को वे प्रमेय बताने तक सीमित हो जाएगा जिन्हें वे अपने पाठ्यक्रम में समझाना चाहते हैं।जब फॉमुर्लारियो का कैलकुलस खंड प्रकाशित हुआ, तो जैसा कि उन्होंने संकेत दिया था।

वैश्विक स्वार्थ राजनीति का सबसे बड़ा उदाहरण....

वैश्विक परिदृश्य आज इस बात का सटीक साक्षी है कि राजनीति और कूटनीति अब सिर्फ. विचारधाराओं या नैतिक मूल्यों पर नहीं टिकी, बल्कि उसका केंद्र आर्थिक स्वार्थ बन चुका है। प्रत्येक राष्ट्र अपनी रणनीति,नीतियों और कूटनीतिक चालों को इस आधार पर गढ़ रहा है कि उसकी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो, उसके संसाधनों पर उसका नियंत्रण बना रहे और वैश्विक शक्ति-संतुलन में उसकी पकड़ ढीली न हो। यह स्थिति वैश्वीकरण के उस सपने से बिल्कुल अलग है,जिसमें सबके हितों की साझेदारी की बात की जाती थी। इसके बजाय आज हम ऐसी दुनिया देख रहे हैं जहाँ हर शक्ति अपने आर्थिक हितों को सर्वोपरि मानते हुए, कभी सहयोग तो कभी टकराव के रास्ते पर आगे बढ़ रही है।2022 से चला आ रहा रूस-यूक्रेन संघर्ष 2026 तक वैश्विक स्वार्थ राजनीति का सबसे बड़ा उदाहरण है। अमेरिका और नाटो इसे लोकतंत्र बनाम तानाशाही की लड़ाई कहते हैं, लेकिन असल में यह ऊर्जा संसाधनों, हथियारों के बाजार और भू-राजनीतिक प्रभुत्व का खेल है। रूस, चीन और भारत नए ब्लॉकों (ब्रिक्स+) के जरिए अमेरिकी प्रभुत्व को चुनौती दे रहे हैं।भारतीय पीएम ने दिनांक 25 अगस्त 2025 को अहमदाबाद में अपने संबोधन के दौरान कहा किह्लआज दुनियाँ में आर्थिक स्वार्थ वाली राजनीति हो रही हैह्ल।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हुँ कि यह एक साधारण सा वाक्य प्रतीत होता है,

लेकिन इसमें वैश्विक राजनीति,अर्थशास्त्र और कूटनीति की गहरी परतें छिपी हुई हैं। आधुनिक अंतरराष्ट्रीय संबंधों और विश्व राजनीति की दिशा को समझने के लिए इस कथन का विश्लेषण अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसीलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,दुनियाँ में आर्थिक स्वार्थ वाली राजनीति का प्रचलन तेजी से बढ़ा-वैश्विक सहयोग की जगह प्रतिस्पर्धा व एकजुट की जगह गुटबाजी का माहौल बढ़ा। साथियों बात अगर हम वैश्विक स्तर पर आज आर्थिक स्वार्थकी राजनीति का नयायुग शुरू होने की करें तो आज की दुनिया राजनीतिक विचारधाराओं की बजाय आर्थिक हितों से ज्यादा संचालित हो रही है। जहाँ कभी पूँजीवाद और समाजवाद जैसी विचारधाराएँ निर्णायक हुआ करती थीं,वहीं अब राष्ट्र अपनी नीतियों को इस आधार पर गढ़ते हैं कि उनका आर्थिक लाभ और हानि किस सीमा तक होगा। देशों की विदेश नीतियाँ, सैन्य रणनीतियाँ,यहाँ तक कि सांस्कृतिक कूटनीति भी अब उसी चश्मे से देखी जाती हैं जिसमें सबसे पहले सवाल पूछा जाता है-इससे हमारे देश को क्या फायदा है।

साथियों बातें कम इस संबंध में अनेक देशोंकी अपडेट स्वार्थ -संचालित नीतियों को जाननेकी करें तो (1) अमेरिका की स्वार्थ-संचालितनीतियाँ:-अमेरिका की राजनीति आज सबसे स्पष्ट रूप से आर्थिक स्वार्थ पर आधारित दिखती है। डोनाल्ड ट्रंप के दौर से ही अमेरिका फर्स्ट नीति ने यह साफ कर दिया था कि वैश्विक सहयोग तभी तक टिकेगा, जब तक उससेअमेरिका को लाभ है। ट्रंप ने चीन पर भारी टैरिफ लगाए, डब्लूटीओ के नियमों को चुनौती दी और नाटो सहयोगियों से रक्षा खर्च में बढ़ोतरी की मांग की।बाइडेन प्रशासन ने भले लोकतंत्र और मानवाधिकार की भाषा अपनाई हो, लेकिन उनकी नीतियों का मूल भी अमेरिका की आर्थिक मजबूती ही है। यूक्रेन युद्ध में खुले समर्थन का कारण भी रूस को कमजोर कर यूरोप के ऊर्जा बाजार और हथियारों के व्यापार पर अमेरिकी पकड़ बनाना है। अमेरिकी टेक कंपनियों पर चीन से दूरी बनाने का दबाव, भारत जैसे देशों में निवेश और सप्लाई- चेन शिफ्ट करना-ये सब दशार्ते हैं कि आर्थिक स्वार्थ ही विदेशनीति की दिशा तय करता है। (2) चीन का विस्तारवाद और आर्थिक हित:-चीन का मॉडल पूरी तरह आर्थिक हितों पर आधारित है। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के जरिये चीन ने एशिया, अफ्रीका और यूरोप में भारी निवेश किया, ताकि उसकी कंपनियों को नए बाजार मिलें और कर्ज. देकर राजनीतिक प्रभाव भी कायम किया जा सके। लेकिन श्रीलंका, पाकिस्तान और अफ्रीकी देशों में डेब्ट ट्रैप की स्थिति बताती है कि चीन की नीतियाँ सहयोग से ज्यादा स्वार्थ पर आधारित हैं। दक्षिण चीन सागर में उसका आक्रामक रवैया भी समुद्री व्यापार और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण के आर्थिक उद्देश्य से जुड़ा है। अमेरिका और यूरोप से तकनीकी प्रतिस्पर्धा, सेमीकंडक्टर पर पकड़ बनाने की कोशिश, और अफ्रीका में दुर्लभ धातुओं पर अधिकार हासिल करना-ये सब दशार्ते हैं कि चीन अपनी नीतियों को सिर्फ. आर्थिक हित के तराजूपर तोल रहाहै।(3) यूरोप की दुविधा:-आदर्श बनाम आर्थिक जरूरतयूरोपीय संघ अक्सर जलवायु परिवर्तन, मानवाधिकार और वैश्विक न्याय की बातें करता है।

संपादकीय

गुरुवर की आज्ञा पर सर्वस्व निशौवर करने वालों

वैश्विक स्तरपर आदि अनादि काल से भारत माता की धरती पर माता-पिता को सर्वश्रेष्ठ गुरू मानने के अनेकों या यूं कहें कि अनगिनत उदाहरण से इतिहास भरा पड़ा है परंतु वर्तमान परिपेक्ष में मैं यह महसूस कर रहा हूं किसमाज का एक बहुत बड़ा तबका अपने जीवन शैली को परिवर्तित करने में मुस्तैद है।आदि-अनादि काल से हमारे भगवानों की पूजा अर्चना हो रही थी परंतु वर्तमान समय में उपवास पूजा अर्चना तो क्या उनकी तस्वीर भी हटा दी गई है और बहुत ही जोर-शोर से नए आधुनिक बाबाओ गुरुवारों की सेवा में मुस्तैद हो गए हैं।अलग-अलग स्तरपर उनकी गुरु दीक्षा लेकर केवल उनके ही हो गए हैं।यहां तक कि अपने माता पिता का दर्जा भी अपने उस गुरुवार से कम कर दिया है।मैं देख रहा हूं कि आजकल उन भक्तगणों सेवकों के लिए अपने गुरुवर की आज्ञा सर्वोपरि हो गईं है,उनपर सर्वस्व निषेश्वर कर देते हैं। जबकि अपने माता-पिता की अवज्ञा करने में बिल्कुल पीछे नहीं हटते उनका सम्मान की जगह अपमान करते हैं, उनके लिए अपने माता-पिता से भी बड़े गुरुवर हो गए हैं जो मेरा मानना है कि उचित नहीं है, मेरे माता-पिता ही सरोवर सर्वोपरि हैं,उसके बाद मेरे गुरुवर हैं। चूंकि शास्त्रों में भी आया है,माता गुरुतरा भूमेःपिता चोच्चत्रं च खात।भावार्थ-माता पृथ्वी से भारी है।पिता आकाश से भी ऊँचा है।इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे गुरुवर की आज्ञा पर सर्वस्व निशौवर करने वालों द्वारा अपने माता-पिता की अवज्ञा क्यों? साथियों बात अगर हम माता-पिता गुरुवर और ईश्वर अल्लाह को क्रमिक स्थान देने की करें तो,जन्म लेने के बाद बच्चे की प्रथम गुरु उसकी माता ही होती है जो उसे जीवन दान देने के साथ साथ अच्छे संस्कार भी देती है इसलिए प्रथम स्थान माता को देना चाहिए।जब बच्चा बड़ा होता है तो बहुत सी चीजों की जरूरत होती है जैसे स्कूल के लिए फीस, पढ़ने के लिए किताबें, तन ढकने के लिए वस्त्र इन सभी वस्तुओं को खरीदने के लिए अर्थ की जरूरत होती है जिसकी पूर्ति एक पिता ही कर सकता है तो दूसरा स्थान पिता को देना चाहिए।जब बच्चा बड़ा होकर स्कूल जाता है तो वहां उसके टीचर उसे बाहरी दुनियां से अवगत कराते हैं अच्छे और बुरे लोगो में भेद करना बताते हैं,पढ़ लिखकर क्या करना है? इन सारी दिन दुनियां की जानकारी एक गुरु देता है इस लिए गुरु का तीसरा स्थान होना चाहिए।लेकिन अगर हम अपने धर्म शास्त्रों में जब पढ़ते हैं तो वहां हमे यह पढ़ने को मिलता है कि गुरु का स्थान सबसे ऊपर होता है लेकिन उसमे यह नहीं बताया जाता है कि वह कौन सा गुरु है जिसका स्थान सर्वोपरि होता है? बेशक!! वह प्रथम गुरु माता ही होती है। लेकिन हम ज्ञान के अभाव में अपने धर्म ग्रंथों में लिखी गई पंक्तियों की सूक्ष्म व्याख्या नहीं कर पाते हैं।अगर माता न होती तो गुरु का शिष्य कहां से आता? वह किसकी बताता कि गोविंद, ईश्वर कौन है? जब जननी ने शिशु को जन्म दिया, पिता ने उसकी परवरिश करने में मदद की तब गुरु को एक शिष्य मिला।बेशक! एकबालक को आदर्शवादी बालक बनाने में गुरु का बहुत बहुत बड़ा योगदान होता है हम इससे पूरी तरह से सहमत हैं।चौथे स्थान पर हम ईश्वर को रखते हैं क्योंकि हमारे अच्छे बुरे कर्मों का लेखा जोखा वही रखता है। अंतिम निर्णय उसी का होता है। उसकी इजाजत के बिना पेड़ का एक पत्ता भी नहीं हिलता है। वह जब चाहें माता, पिता, गुरु और शिष्य को अपने पास बुला सकता है। हमारे माता-पिता जन्म दिए है और हमारे पालन पोषण सब क्या है हमारे जिंदगी माता पिता के ही दिए हुए हैं इसलिए सबसे महत्वपूर्ण बातें है।

(आस्था)

कल इस शुभ मुहूर्त पर करेंगे गणपति की मूर्ति स्थापना, गणेश चतुर्थी पर पूजा के लिए मिलेगा इतना समय,

प्रतिवर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी पड़ती है। इसके साथ ही 10 दिन का गणेश उत्सव आरंभ हो जाता है, जो अनंत चतुर्दशी के दिन समाप्त होता है। इस दौरान गणपकि बप्पा को धूमधाम से घर लेकर आते हैं और नियमित रूप से पूजा करते हैं। इस साल गणेश चतुर्थी 27 अगस्त से आरंभ हो रही है, जो 7 सितंबर तक चलेगी। इस दौरान बप्पा को विधिवत तरीके से घर या फिर भव्य पंडाल में विराजित करते हैं। गणेश उत्सव मुंबई में सबसे ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। इस साल गणेश चतुर्थी पर सर्वार्थसिद्धि योग से लेकर रवि योग का निर्माण हो रहा है। आइए जानते हैं गणेश चतुर्थी का शुभ मुहूर्त, मूर्ति स्थापना का सही समय, विधि, मंत्र सहित अन्य जानकारी गणेश जी की आरती, जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा हंदू पंचांग के अनुसार, इस साल गणेश चतुर्थी 27 अगस्त 2025 को मनाई जाएगी। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी 26 अगस्त को दोपहर 1 बजकर 54 मिनट से आरंभ हो रही है, जो 27 अगस्त को दोपहर 3 बजकर 44 मिनट तक है। ऐसे में उदया तिथि के हिसाब से गणेश उत्सव 27 अगस्त, बुधवार से आरंभ होगा। सुखकर्ता दुखहर्ता, गणपति बप्पा मोरया सहित गाएं गणेश चतुर्थी पर ये भजन 30 साल बाद कर्मफल दाता शनि ने वक्री अवस्था में बनाया शक्तिशाली राजयोग, इन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन, तरक्की के प्रबल योग हरतालिका तीज पर सोने से पहले लगाएं ये लास्ट मिनट मेहंदी डिजाइन, सुबह उठते ही बढ़ जाएगी हाथों की खूबसूरती सुखकर्ता दुखहर्ता, गणपति बप्पा मोरयाह्न सहित गाएं गणेश चतुर्थी पर ये भजन गणेश चतुर्थी पूजा शुभ मुहूर्त गणेश उत्सव के दिन गणपति की पूजा के लिए सुबह 11:05 से दोपहर 01:40 बजे तक का समय सबसे उत्तम है। इसकी कुल अवधि 2 घंटे 34 मिनट है। 30 साल बाद कर्मफल दाता शनि ने वक्री अवस्था में बनाया शक्तिशाली राजयोग, इन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन, तरक्की के प्रबल योग गणेश चतुर्थी 2025 पर खास संयोग इस साल गणेश चतुर्थी पर काफी खास संयोग बन रहा है। इस दिन प्रीति, सर्वार्थ सिद्धि, रवि के साथ इंद्र, ब्रह्म योग का निर्माण हो रहा है। इसके साथ बी बुधवार के दिन आरंभ होने के कारण ये काफी खास है। वर्जित चंद्र दर्शन का समय गणेश चतुर्थी के दिन चंद्रमा का दर्शन करना अशुभ माना जाता है।

आज का राशिफल

मेष: चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।

मेष: आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। खर्चों में इजाफा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। अगर आप अपने आकर्षण और होशियारी का इस्तेमाल करें, तो लोगों से मनचाहा व्यवहार पा सकते हैं। ताजा फूल की तरह अपने प्यार में भी ताजगी बनाए रखें। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाखुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा। गप्पबाजी और अफवाहो से दूर रहें।

वृषभ : उ, ई, ऐ, ओ, बा, बी, बे, बो ।

वृषभ: आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा- क्योंकि आप जिन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। एक नजदीकी रिश्तेदार खुद के लिए आपका ज्यादा ध्यान चाहेगा, हालाँकि वह काफी मददगार और खयाल रखने वाला होगा। विवादित मुद्दों को उठाने से बचें, अगर आप आज ह्यडेटह्ल पर जा रहे हैं तो। अगर आप विदेशों में नौकरी के लिए आवेदन करना चाहते हैं, तो आज का दिन अच्छा है। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं।

मिथुन: क, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा ।

मिथुन: किसी भी तरह के द्वन्द्व या विरोध से बचें, क्योंकि आपकी सेहत पर इसका बुरा असर होगा। विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। परिवार की किसी महिला सदस्य की सेहत चिंता की वजह बन सकती है। विवाह-प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो ।

कर्क: ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फायदेमन्द साबित होंगे। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। अपने काम में ऐसे लोगों की मदद लें, जिनकी सोच आपसे मेल खाती हो। सही वक़्त पर उनकी मदद अहम और फायदेमंद होगी। खास तौर पर मेडिकल ट्रांस्क्रिप्शन से जुड़े लोगों के लिए बढ़िया दिन है।

सिहं: मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे ।

सिंह: आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई खुशनुमा पल लेकर आएगा। बाकी दिनों के मुकाबले आज का दिन आर्थिक दृष्टि से अच्छा रहेगा और आपको पर्याप्त धन की प्राप्ति होगी। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आपके कामों के पीछे प्यार और दूरदृष्टि की भावना होनी चाहिए, न कि लालच का जहर। आपके जीवन में प्रेम की बहार आ सकती है; आपको जरूरत है तो बस अपने आँख-कान खुले रखने की। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताकत और समझ दोनों ही होंगे। वक्त पर चलने के साथ-साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है।

कन्या: टो, पा, पी,पू, ष, ण, ठ, पे, पो।

कन्या: आज शान्त और तनाव-रहित रहें। जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। पारिवारिक जिम्मेदारियों को न भूलें। प्यार-मोहब्बत की नजरिए से बेहतरीन दिन है। प्यार का मजा चखते रहें। अपने काम और प्राथमिकताओं पर ध्यान एकाग्र करें। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। आप दुनिया में खुद को सबसे रईस महसूस करेंगे।

तुला: रा, री, रू, रे, ता, ती, तू, ते ।

तुला: आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाजे खोलेंगी। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। जरूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। वो आपसे रुठें इससे ही पहले ही अपनी गलती का अहसास कर लें और उन्हें मना लें। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है। आज आपके पास खाली समय होगा।

वृश्चिक: तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू ।

वृश्चिक: आज अतीत के गलत फैसले मानसिक अशान्ति और क्लेश की वजह बनेंगे। आप खुद को अकेला पाएंगे और सही-गलत का निर्णय करने में असमर्थ महसूस करेंगे। दूसरों की सलाह लें। दिन की शुरूआत में ही आज आपको कोई आर्थिक हानि हो सकती है जिससे सारा दिन खराब हो सकता है। मेहमानों के साथ का आनंद लेने के लिए बढ़िया दिन है। अपने रिश्तेदारों के साथ कुछ खास करने की योजना बनाएँ। इसके लिए वे आपकी तारीफ करेंगे। आपके जीवन में प्रेम की बहार आ सकती है; आपको जरूरत है तो बस अपने आँख-कान खुले रखने की।

धनु : ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे ।

धनु: तनाव से बचने के लिए अपना कीमती वक़्त बच्चों के साथ गुजारें। आप बच्चों की उपचार करने की शक्ति महसूस करेंगे। वे आध्यात्मिक तौर पर धरती पर सबसे ज्यादा ताकतवर और भावनात्मक लोग हैं। उनके साथ आप खुद को ऊर्जा से लबरेज पाएंगे। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। अपने सामाजिक जीवन को दरकिनार न करें। अपनी व्यस्त दिनचर्या में से थोड़ा-सा समय निकालकर अपने परिवार के साथ किसी आयोजन में शिरकत करें। यह न सिर्फ आपका दबाव कम करेगा, बल्कि आपकी झिझक भी मिटा देगा।

मकर: भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी ।

मकर: आपका मनमौजी बर्ताव सेहत के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। अचानक आए खर्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज्यादा सिखाता है। उदासी के भंवर में खुद को खोकर वक़्त बर्बाद करने से बेहतर है कि जिंदगी के सबक को जानने और सीखने की कोशिश की जाए। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताएगा। सहकर्मियों और वरिष्ठों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इजाफा करेगा। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं,

कुंभ: गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा ।

कुंभ: कुछ रचनात्मक करने के लिए अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके जरिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। जरा संभल कर, क्योंकि आपका प्रिय रूमानी तौर पर आपको मक्खन लगा सकता है ह्ल मैं तुम्हारे बगैर इस दुनिया में नहीं रह सकता/सकती। कार्यक्षेत्र में आपके सामने नई चुनौतियाँ आएंगी- खास तौर पर अगर आप कूटनीतिक तरीके से चीजों को नहीं इस्तेमाल करेंगे तो। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं ।

मीन: दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची ।

मीन: सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। दीर्घावधि मुनाफे के नजरिए से स्टॉक और म्यूचुअल फंड में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। पारिवारिक सदस्य या जीवन-साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। इकतरफा प्यार आपके लिए काफी खतरनाक साबित होगा। कामकाज के नजरिए से आज का दिन वाकई सुचारू रूप से चलेगा। नए विचारों और आइडिया को जाँचने का बेहतरीन वक़्त। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

शादी से पहले प्रेग्नेंट होने पर नेहा को सुननी पड़ी थी खरी-खोटी

अब कही अपने हिस्से की बात

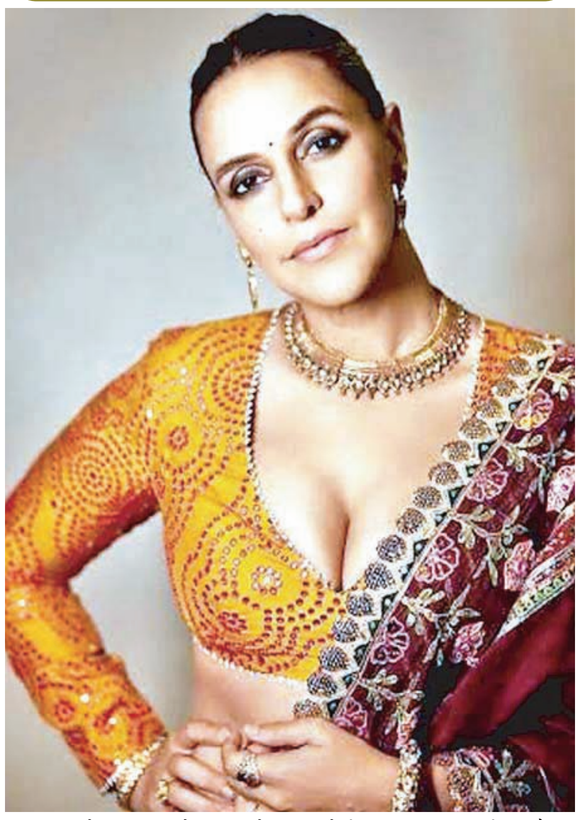

नेहा धूपिया ने 2018 में अंगद बेदी संग गुपचुप शादी करके सभी को चौंका दिया था. लेकिन शादी के तुरंत बाद एक्ट्रेस के प्रेगनेंट होने पर सभी लोगों को और बड़ा झटका लगा था. इस बात को लेकर उन्हें कई ताने और ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा. अब इस विषय पर अदाकारा ने खुल के अपनी बात रखी है.नेहा धूपिया ने हाल ही में शादी की पहले प्रेग्नेंट होने पर समाज द्वारा किए गए दुर्व्यवहार को लेकर खुलकर बात की है. उन्होंने कहा यहीं से उन्हें उनके कैंपेन फ्रीडम टू फीड के लिए प्रेरणा मिली. अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अदाकारा ने कहा, मैं पहली ऐसी एक्ट्रेस नहीं हूं जो शादी से पहले प्रेग्नेंट हुई. मुझे लगता है कम से कम मैं नीना गुप्ता और आलिया भट्ट की तरह ही लिस्ट में हूं. लेकिन ईमानदारी से कहूं तो ये बकवास है. किसी को भी हुक्म चलाने या सवाल करने या ये मानने का हक नहीं है कि किसी व्यक्ति को कब शादी करनी चाहिए या बचे पैदा करना चाहिए.नेहा धूपिया ने अंगद बेदी संग शादी के 6 महीने बाद अपनी बेटी मेहर को जन्म दिया. इसके बाद कई लोगों ने उनपर सवाल खड़े किए कि, 6 महीने में बचा कैसे हो गया? एक्ट्रेस ने अपनी बात रखते हुए कहा कि उन्हें इन सब चीजों से फर्क नहीं पड़ता क्योंकि प्रेग्नेंसी मदरहुड की एक खूबसूरत जर्नी है.अपनी जर्नी पर बात करते हुए नेहा ने कहा, महिलाओं को एक ऐसे ओपन और सेफ स्पेस की जरूरत है जहां प्रेग्नेंसी, ब्रेस्ट फीडिंग और पोस्टपार्टम रिकवरी पर खुल के बात की जाए. महिलाओं के हेल्थ पर डिस्कसन नॉर्मलाइज करने चाहिए.इसके साथ ही नेहा धूपिया ने महिलाओं के भावनाओं और उनकी जरूरतों के प्रति जागरूकता फैलाने की भी बात कही. उनका मानना है कि अगर आधी आबादी को प्रभावित करने वाली चीजों के लिए उन्हें ट्रोल किया जाता है तो इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता और वो महिलाओं के प्रति जागरूकता फैलाने के काम में रुकने वाली नहीं हैं।

मनीष मल्होत्रा की पहली फिल्म नवंबर में होगी रिलीज

मनीष मल्होत्रा ने अपनी पहली रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'गुस्ताख इश्क़' की घोषणा कर दी है, जो इस साल नवंबर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में विजय वर्मा, फातिमा सना शेख, नसीरुद्दीन शाह और शरीब हाशमी जैसे बेहतरीन कलाकार अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे। मशहूर फैशन डिज़ाइनर मनीष मल्होत्रा अब फिल्म निर्माण की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। उन्होंने अपनी पहली रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'गुस्ताख इश्क़' की घोषणा कर दी है, जो इस साल नवंबर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में विजय वर्मा, फातिमा सना शेख, नसीरुद्दीन शाह और शरीब हाशमी जैसे बेहतरीन कलाकार अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे। मनीष मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि फिल्मों के प्रति उनका जुनून बचपन से ही रहा है और यही जुनून उन्हें इस नए सफर तक लेकर आया है। उन्होंने लिखा – बचपन से ही मेरा सिनेमा के प्रति गहरा इश्क़ रहा है। कहानियों का जादू, बड़े पर्दे की चमक और वे भावनाएँ जो लंबे समय तक दिल में रह जाती हैं, हमेशा मेरे जीवन का हिस्सा रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह फिल्म उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसी है।58 वर्षीय मल्होत्रा ने यह भी खुलासा किया कि फिल्म की पहली झलक 25 अगस्त (सोमवार) को पेश की जाएगी। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को अपने दिल के बेहद करीब बताते हुए लिखा –यह सफर बेहद व्यक्तिगत और दिल से जुड़ा हुआ है। फिल्मों के प्रति यह इश्क़ मुझे बचपन से है और अब जाकर इसे नए रूप में पेश कर पा रहा हूँ।गौरतलब है कि इस फिल्म का नाम पहले 'उल-जलूल इश्क़' रखा गया था, लेकिन बाद में इसका शीर्षक बदलकर 'गुस्ताख इश्क़' कर दिया गया।

परम सुंदरी करेगी धाकड़ ओपनिंग!

कुली, जाट समेत तोड़ेगी 28 फिल्मों के रिकॉर्ड

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा लंब समय बाद फिल्म परम सुंदरी से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं. इस फिल्म में उनके साथ जाह्नवी कपूर इश्क फरमाती नजर आएंगी. परम सुंदरी का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, वहीं फिल्म के कई गाने भी सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं. अब परम सुंदरी के पहले दिन का बॉक्स ऑफिस प्रीडिक्शन भी सामने आ गया है जिसमें ये रिकॉर्ड तोड़ ओपनिंग करती नजर आ रही है.

परम सुंदरी 29 अगस्त, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है.खास बात ये है कि इस दिन कोई दूसरी बॉलीवुड या कोई बड़ी साउथ फिल्म थिएटर्स में रिलीज नहीं हो रही है.

ऐसे में परम सुंदरी को बॉक्स ऑफिस पर चौतरफा राज करने का मौका मिलने वाला है.

कोइमोई की रिपोर्ट के मुताबिक परम सुंदरी रिलीज के पहले दिन 10 करोड़ रुपए से यादा की ओपनिंग कर सकती है.

अगर ऐसा होता है तो परम सुंदरी 2025 में रिलीज हुई 28 भारतीय फिल्मों के ओपनिंग कलेक्शन रिकॉर्ड तोड़ देगी.

परम सुंदरी की स्टार कास्ट

मैडॉक फिल्म्स की रोमांटिक फिल्म परम सुंदरी को तुषार जलोटा ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर लीड रोल में हैं. इसके अलावा रेन्जी पणिक्कर, सिद्धार्थ शंकर, मनजोत सिंह, संजय कपूर और इनायत वर्मा भी फिल्म का हिस्सा हैं।

तमन्ना भाटिया ने लिया चौंकाने वाला फैसला..!

तमन्ना अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलने के लिए तैयार हैं

हाल ही में, खबर आई है कि उन्होंने अपने करियर में पहली बार एक रोमांचक फैसला लिया है। खबर है कि उन्हें पॉपुलर हॉरर और बोल्ड फ्रैंचाइज़ी रागिनी एमएमएस सीरीज़ की हीरोइन के तौर पर चुन लिया गया है। फिल्म इंडस्ट्री में चल रही खबरों के मुताबिक, एकता कपूर ने खुद तमन्ना को इस हॉरर-थ्रिलर प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच किया था। खबर है कि कहानी, किरदार और बाकी सब कुछ सुनने के बाद, तमन्ना ने इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी

तमन्ना भाटिया किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने श्री और हैप्पी डेज़ जैसी छोटी फिल्मों में काम करके सबको प्रभावित किया। इसके बाद, उन्होंने सभी बड़े हीरो के साथ काम किया और कुछ ही दिनों में टॉप हीरोइन बन गईं। यह खूबसूरत हसीना पिछले एक दशक से भी ज़्यादा समय से अपनी खूबसूरती और अभिनय से साउथ के दर्शकों को प्रभावित कर रही हैं। कुछ समय बाद, जब साउथ में उनके मौके कम होते जा रहे थे, तो उन्होंने बॉलीवुड की ओर रुख किया। फ़िलहाल, वह कई फिल्मों के स्पेशल सॉन्ग्स में नज़र आ चुकी हैं। हाल ही में, खबर आई है कि उन्होंने अपने करियर में पहली बार एक रोमांचक फैसला लिया है। खबर है कि उन्हें पॉपुलर हॉरर और बोल्ड फ्रैंचाइज़ी रागिनी एमएमएस सीरीज़ की हीरोइन के तौर पर चुन लिया गया है। फिल्म इंडस्ट्री में चल रही खबरों के मुताबिक, एकता कपूर ने खुद तमन्ना को इस हॉरर-थ्रिलर प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच किया था। खबर है कि कहानी, किरदार और बाकी सब कुछ सुनने के बाद, तमन्ना ने इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी चर्चा है कि इस रोल में कुछ बोल्ड कंटेंट होगा। तमन्ना अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलने के लिए तैयार हैं। जेलर में एक खास गाने से लोगों का ध्यान खींचने वाली मिल्की ब्यूटी ने लस्ट स्टोरीज 2 में बोल्ड रोल से फैन्स को चौंका दिया है। हाल ही में रागिनी एमएमएस 3 जैसे हार्डकोर हॉरर-ग्लैमर प्रोजेक्ट को स्वीकार करना उनके करियर को नई दिशा देने वाला एक साहसिक फैसला कहा जा रहा है। इससे पहले रागिनी सीरीज में सनी लियोनी ने यह रोल निभाया था। इसमें सनी की एक्टिंग के साथ-साथ बेबी डॉल गाने ने भी धमाल मचा दिया था। अब जब तमन्ना इसी फ्रेंचाइजी में एंट्री कर रही हैं, तो स्वाभाविक रूप से दर्शकों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। क्या तमन्ना सनी के लेवल तक पहुंच पाएंगी? क्या वह कोई नया ट्रेंड सेट करेंगी? यह दिलचस्प हो गया है। हालांकि, अभी तक इस प्रोजेक्ट पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। जानकारी के मुताबिक, निर्माताओं से बातचीत चल रही है। अगर ऐसा होता है, तो कहा जा रहा है कि तमन्ना अपने बॉलीवुड करियर में एक बड़ा मुकाम हासिल कर लेंगी।

बिग बॉस 19 के हाईएस्ट पेड कंटेस्टेंट हैं गौरव खन्ना, लाखों में ले रहे फीस

सेलिब्रिटी मास्टरशेफ विनर और टीवी के फेमस एक्टर गौरव खन्ना सबसे कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस के घर में शामिल हो गए हैं. सुपरस्टार सलमान खान के शो में शामिल होने से पहले गौरव खन्ना ने इंडिया टुडे के साथ एक्सक्लूसिव बातचीत में कहा कि उनका पिछला रियलिटी शो खाना पकाने के स्किल पर फोकस था, इस बार उनका टारगेट रिश्तों और दोस्ती को मजबूत करने पर होगा. गौरव खन्ना ने कहा, मुझे लगता है कि इसका मेरे अब तक के करियर से कोई लेना-देना नहीं है. बात बस इतनी थी कि मैं एक रियलिटी शो करूं, जब लोग मुझ पर उंगली न उठा सकें और यह न कह सकें कि वह सिर्फ शोहरत या फेम पाने के लिए यहां है. ईश्वर की कृपा से, मैंने काम किया है और लोगों का प्यार जीता है. मैं अपने करियर में काफी अछा कर रहा हूं और आगे भी इसी तरह आगे बढ़ूंगा. मैं खुद को चुनौती देना चाहता था और उस यंग गौरव को ढूंढ़ना चाहता था, जिसने कई साल पहले मुंबई में कदम रखा था. मैं उसे शो के जरिए ढूंढ़ना चाहता हूं; मैं जानना चाहता हूं कि क्या वह अब भी वहां है?

वहीं जब गौरव से पूछा गया कि आपके आलोचक कहते हैं कि शायद उन्हें पर्याप्त काम नहीं मिल रहा है और इसलिए वह नॉन-फिक्शन की दुनिया में छाए हुए हैं. इस पर एक्टर ने कहा, मैं क्या कहूं? बस इतना कह सकता हूं कि खुश रहो, क्योंकि इसके बाद, तुम देखोगे कि मुझे कितने अछे रोल मिलते हैं. तुम खुद हैरान हो जाओगे. सच कहूं तो, मैंने बिग बॉस में हिस्सा लेने के लिए कुछ शोज को मना भी कर दिया था. मुझे लगता है कि यह बहुत कुछ कहता है.

एक्टर से पूछा गया कि क्या वो इस सीजन बिग बॉस के हाईएस्ट पेड कंटेस्टेंट्स हैं? इस पर गौरव ने कहा, यह अफवाह भी हो सकती है और नहीं भी. लोग बहुत कुछ कहते हैं, और मैं सुनी-सुनाई बातों पर यकीन नहीं करता. इसके अलावा, मैं किसी एक्टर को उसकी तनख्वाह से नहीं आंकता. बात बस इतनी है कि आपको क्या मिलता है. मुझे तो यह भी नहीं पता कि कंटेस्टेंट कौन हैं, और हम पैसों की बात भी नहीं करते. इसलिए लोग जो चाहें कह सकते हैं. मेरा लक्ष्य बस इस सीजन में अछा प्रदर्शन करना है.शादीशुदा सेलिब्रिटी अपनी छवि खराब होने के डर से बिग बॉस में आने से खुद को रोक लेते हैं? इस पर एक्टर ने कहा, इंडस्ट्री हर दोस्ती का जश्न मनाती है, और वे इसे समझने के लिए काफी समझदार हैं. किसी के साथ अछा व्यवहार करने और सच में अछा व्यवहार करने के बीच बहुत पतली सी रेखा होती है. अगर कोई सचा रिश्ता बनता है, तो वह साफ और सभी के लिए मददगार होता है।

रेखा गुप्ता पर चाकू से थी हमले की तैयारी राजेश के साथी तहसीन ने कबूला गुनाह

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सिविल लाइंस पुलिस ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला करने की साजिश रचने में राजेश के साथी तहसीन को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों की मानें तो तहसीन को राजेश की हरकतों और साजिश की जानकारी थी। उसने अपना गुनाह कबूल लिया है। जांच में सामने आया है कि राजेश की योजना मुख्यमंत्री पर चाकू से हमला करने की थी। जांच से जुड़े वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि तहसीन ने लगातार राजेश के बैंक खाते में रुपये भेजे थे।

तहसीन को थी पूरी साजिश की जानकारी

पुलिस ने छानबीन में पाया है कि तहसीन को पूरी साजिश की जानकारी थी और उसने इसके लिए रुपये भी भेज रहा था। राजेश ने उसे सुप्रीम कोर्ट या मुख्यमंत्री पर हमला करने की योजना के बारे में जानकारी दी थी।

पहले गया था सुप्रीम कोर्ट, ऐसे बदला इरादा

पुलिस ने जांच में पाया कि जब राजेश दिल्ली आया तो वह पहले सुप्रीम कोर्ट गया लेकिन वहां की सुरक्षा देखकर इरादा बदल दिया। फिर उसने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला करने की योजना तैयार की।

चाकू से थी हमला करने की योजना

जांच से जुड़े सूत्र ने बताया कि राजेश की योजना सीएम पर चाकू से हमला करने की थी। लेकिन वह जब सिविल लाइंस स्थित मुख्यमंत्री आवास पर कड़ी सुरक्षा देखी तो उसने इरादा बदल दिया। उसने सिविल लाइंस इलाके में ही चाकू फेंक दिया और आवास के अंदर प्रवेश किया।

राजेश को लेकर राजकोट गई थी पुलिस

पुलिस अधिकारी ने बताया कि राजेश को हिरासत में लेकर टीम राजकोट गई थी। यहीं पर तहसीन से पूछताछ हुई। इसके बाद तहसीन को नोटिस देकर दिल्ली बुलाया गया और वह शुक्रवार देर रात को दिल्ली आ गया।

दोनों के बीच 15 साल पुरानी यारी

पेशे से आटो चालक तहसीन और राजेश एक दूसरे को 15 साल से जानते हैं। पुलिस तहसीन और राजेश को सोमवार को कोर्ट में पेश करेगी। दरअसल, राजेश की पुलिस हिरासत भी सोमवार को समाप्त हो रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों की हिरासत मांग कर चाकू की बरामदगी करने की कोशिश की जाएगी।

ऐसे खुले राज

पुलिस ने तहसीन के मोबाइल फोन नंबर की काल डिटेल्स एवं आईपीडीआर की जांच की। इसके अलावा यूपीआई से लेनदेन की जानकारी ली।

ऐसे कबूला गुनाह

हालांकि तहसीन पुलिस को बरगलाता रहा और कहा कि राजेश की हरकतों के बारे में जानकारी नहीं थी। लेकिन राजेश के बताने के बाद भी उसने रुपये भेजने की बात सामने आने के बाद उसने साजिश रचने का गुनाह कबूल कर लिया।

जब तक लोगों का अपमान बंद नहीं करेंगे, जीत नहीं पाएंगे, फडणवीस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे और विपक्ष पर विधानसभा चुनावों में वोट चोरी का आरोप लगाने के लिए हमला बोला और कहा कि वे लोगों से झूठ बोलकर और उनका अपमान करके चुनाव नहीं जीत सकते। फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा, वे बस अपने दिल को तसल्ली

देने की कोशिश कर रहे हैं और अपने कार्यकर्ताओं को यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि वे वाकई जीत रहे हैं, उनकी हार में एक साजिश थी, ताकि कार्यकर्ता बिखर न जाएं। जब तक वे अपनी हार पर आत्मचिंतन नहीं करेंगे, तब तक वे जीत नहीं पाएंगे। जब तक वे झूठ बोलना और लोगों का अपमान करना बंद नहीं करेंगे, वे जीत नहीं सकते। फडणवीस की यह टिप्पणी राज ठाकरे द्वारा शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों का समर्थन करने के बाद आई है। इस बीच, शिवसेना नेता संजय राउत ने आज आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति सरकार वोट चोरी के जरिए सत्ता में आई है और दावा किया कि यह मुद्दा अब राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जा रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए, राउत ने कहा, ... महाराष्ट्र में वोट चोरी का मुद्दा आठ महीने से चल रहा है, हम इस पर सवाल उठा रहे हैं। यह मुद्दा उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे, शरद पवार और कांग्रेस ने उठाया था।

संक्षिप्त समाचार

केंद्र ने रेखा गुप्ता का सीआरपीएफ का जेड सिक्योरिटी कवर वापस लिया, दिल्ली पुलिस ही देगी सीएम को सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता को दी गई केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली है। कुछ दिन पहले ही गुप्ता पर हुए हमले के बाद उन्हें यह

सुरक्षा प्रदान की गई थी। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उनकी सुरक्षा का जिम्मा फिर से दिल्ली पुलिस को सौंप दिया गया है। सीएम रेखा गुप्ता पर 20 अगस्त की सुबह सिविल लाइंस इलाके में स्थित उनके ऑफिस में 'जन सुनवाई' कार्यक्रम के दौरान गुजरात के राजकोट निवासी एक व्यक्ति ने हमला कर दिया था। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस हमले को ''उनकी हत्या की सुनियोजित साजिश'' का हिस्सा बताया था। इस घटना के एक दिन बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विशिष्ट व्यक्तियों को दी जाने वाली सीआरपीएफ की 'वीआईपी' सिक्योरिटी विंग को केंद्र के 'जेड' श्रेणी सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत उन्हें सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया था। सूत्रों ने बताया कि सीआरपीएफ सुरक्षा वापस ले ली गई है और अब दिल्ली पुलिस ही फिर से मुख्यमंत्री को सुरक्षा प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ सुरक्षा बढ़ाने का आदेश केंद्र द्वारा औपचारिक रूप से जारी किया जाना था, लेकिन योजना में बदलाव हुआ और सुरक्षा वापस लेने के आदेश जारी किए गए। दिल्ली पुलिस ने मुख्यमंत्री पर हमले की जांच के सिलसिले में अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें मुख्य आरोपी 41 वर्षीय राजेशभाई खिमजी सकारिया भी शामिल है, जो गुजरात के राजकोट का निवासी है।

छत्तीसगढ़ में 67 साल के बुजुर्ग बॉयफ्रेंड ने 30 साल की गर्लफ्रेंड का किया मर्डर?

धमतरी, एजेंसी। शक, अफेयर और मर्डर! छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले से 67 साल के आशिक द्वारा 37 साल छोटी प्रेमिका की हत्या करने का मामला सामने आया है। हत्या की वजह शक होना बताया गया है। बुजुर्ग बॉयफ्रेंड को इस बात का शक था कि उसकी गर्लफ्रेंड का किसी अन्य के साथ अफेयर चल रहा है। इसलिए उसने मौका पाकर चाकू गोदकर उसकी हत्या कर दी। पूरा मामला धमतरी जिले के करेली बड़ी चौकी इलाके का है। बुजुर्ग बॉयफ्रेंड का नाम जगन्नाथ मारकंडे है। वह हसदा गांव का रहने वाला है। पेशे से किसान जगन्नाथ के ऊपर 30 साल की अपनी प्रेमिका पुष्पा मारकंडे की हत्या का आरोप है। जानकारी के मुताबिक दोनों के बीच प्रेम संबंध था। दरअसल महिला का पति बीती साल से जेल में बंद था। तब से जगन्नाथ का महिला के घर आना-जाना लगा रहता था। धीरे-धीरे दोनों के बीच दूरियां कम हुई और प्रेम संबंध बढ़ने लगा। मगर सब कुछ ठीक नहीं रहा। बुजुर्ग बॉयफ्रेंड को अपनी प्रेमिका पर शक होने लगा। उसे शक था कि उसकी प्रेमिका किसी अन्य के साथ भी अवैध संबंध बनाए हुए है। जगन्नाथ ने इसी शक के चलते अपनी प्रेमिका की चाकू से गोद गोदकर हत्या कर दी। उसने महिला की पीठ और पेट पर कई वार किए। इस दौरान महिला का बेटा भी मौजूद था। उसने अपनी मां को बचाने का प्रयास किया तो उसे भी चोटें आईं।

दिल्ली मेट्रो का किराया बढ़ा, अब सबसे लंबी दूरी की यात्रा के लिए लगेंगे 64 रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन सोमवार से टिकट किराए में संशोधन की घोषणा की है, जिससे दिल्ली मेट्रो से यात्रा करना महंगा हो जाएगा। यह आठ सालों में पहली बढ़ोतरी है, पिछली बढ़ोतरी 2017 में लागू की गई थी। DMRC के अनुसार, किराए में यह बदलाव मामूली है, और ज़्यादातर लाइनों पर टिकट की कीमतों में 1 रुपये से 4 रुपये तक की बढ़ोतरी होगी।

हालाँकि, एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर 5 रुपये तक की थोड़ी ज़्यादा बढ़ोतरी होगी। यात्रा की दूरी के आधार पर यह बढ़ोतरी एक रुपये से चार रुपये के बीच है। संशोधित शुल्कों से सामान्य दिनों में शून्य से दो किलोमीटर तक की दूरी के लिए किराया 10 रुपये से बढ़कर 11 रुपये हो गया है, जबकि 32 किलोमीटर से अधिक की यात्रा के लिए किराया 60 रुपये से बढ़कर 64 रुपये हो गया है।

मेट्रो में 12 से 21 किलोमीटर की यात्रा के लिए किराया 40 रुपये से बढ़कर 43 रुपये हो गया है और 21 से 32 किलोमीटर की दूरी के लिए नया किराया पहले के 50 रुपये के मुकाबले 54 रुपये हो गया है।

किरेन रिजिजू ने असम में बांग्लादेशियों का समर्थन करने के लिए सैयदा हमीद की आलोचना की

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कार्यकर्ता और योजना आयोग की पूर्व सदस्य सैयदा सैयदैन हमीद की उनके हालिया बयान पर कड़ी आलोचना की है, जिसमें उन्होंने कहा था कि बांग्लादेशियों को असम में रहने का अधिकार है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर रिजिजू ने उनकी टिप्पणियों की निंदा करते हुए उन्हें मानवता के नाम पर गुमराह करने वाला बताया और उन पर भारत की संप्रभुता और पहचान को कमजोर करने का आरोप लगाया। उनके वीडियो का हवाला देते हुए, रिजिजू ने पोस्ट किया, मानवता के नाम पर गुमराह करने वाला। यह हमारी जमीन और पहचान का सवाल है। बांग्लादेश और पाकिस्तान में अल्पसंख्यक बौद्धों, ईसाइयों, हिंदुओं और सिखों को क्यों सताया और प्रताड़ित किया जाता है? सईदा हमीद सोनिया गांधी और राहुल गांधी की सबसे करीबी हो सकती हैं, लेकिन उन्हें अवैध प्रवासियों का समर्थन नहीं करना चाहिए। मंत्री की यह प्रतिक्रिया एक वायरल वीडियो के जवाब में आई

है। इस वीडियो में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान योजना आयोग की सदस्य रहीं सईदा हमीद ने दावा किया था कि बांग्लादेशी भी इंसान हैं और उन्हें भारत में रहने का अधिकार है।

अवैध प्रवासियों के खिलाफ चल रहे बेदखली अभियानों और कार्रवाइयों के बीच असम की अपनी हालिया यात्रा के दौरान, हमीद ने कहा, अगर वे बांग्लादेशी हैं तो इसमें क्या गलत है? बांग्लादेशी भी इंसान हैं। धरती इतनी बड़ी है कि बांग्लादेशी यहां रह सकते हैं। किसी के अधिकारों का हनन नहीं। उन्होंने आगे कहा, अल्लाह ने यह धरती इंसानों के लिए बनाई है, शैतानों के लिए नहीं। अगर कोई इंसान धरती पर खड़ा है, तो उसे बेदखल करना मुसलमानों के लिए कयामत है। उन्होंने असम सरकार पर मुसलमानों को बांग्लादेशी बताकर उन पर कयामत लाने का आरोप लगाया और दावा किया कि अवैध प्रवासियों द्वारा भारतीय नागरिकों को उनके अधिकारों से वंचित करने का तर्क बेहद शरारती और मानवता के लिए हानिकारक है। अरुणाचल प्रदेश के रहने वाले और लंबे समय से राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा अखंडता की वकालत करने वाले रिजिजू ने अवैध इमिग्रेशन को सामान्य बनाने के प्रयास की कड़ी आलोचना की। इन टिप्पणियों ने राजनीतिक तनाव को फिर से भड़का दिया है, भाजपा नेताओं ने कांग्रेस से जुड़े बुद्धिजीवियों और कार्यकर्ताओं पर धर्मनिरपेक्षता और मानवता के नाम पर अवैध इमिग्रेशन को उचित ठहराने का आरोप लगाया है।

अपनी ही पार्टी के सांसद पर एक करोड़ मानहानि दावे में राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला का यू-टर्न

कानपुर, एजेंसी। यूपी में अपनी ही पार्टी के सांसद अशोक रावत पर एक करोड़ की मानहानि के दावे का नोटिस भेजने वाली उत्तर प्रदेश सरकार की राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने अब यू-टर्न ले लिया है। रविवार को 'हिन्दुस्तान' से बातचीत में उन्होंने कहा कि नोटिस उन्होंने जरूर भेजा था मगर सांसद से उनकी कोई बात नहीं हुई है। वह उनसे खुद मिलकर बात करेंगी। वह बात को आगे नहीं बढ़ाना चाहतीं। सांसद और मंत्री के बीच खींचतान और विवाद की जड़ 40 करोड़ से बना खेरेश्वर मंदिर मार्ग है। प्रतिभा शुक्ला का यह भी कहना है कि उनके पास कुछ लोग आए थे और कहा था कि खेरेश्वर मंदिर की

रोड खराब बनी है तो जांच के लिए शासन को लिख दिया। बकौल राज्य मंत्री 'मीडिया के जरिए ही हमें पता चला कि सांसद ने कहा कि इसमें मेरा व्यक्तिगत इंट्रेस्ट है। जबकि मेरा कोई व्यक्तिगत इंट्रेस्ट नहीं होता। 10-15 दिन पहले अधिवक्ता के माध्यम से नोटिस भेजा था। अब मीडिया के जरिए मैं कोई बात नहीं बढ़ाना चाहती'। दूसरी ओर मिश्रिख से भाजपा के सांसद अशोक रावत ने 'हिन्दुस्तान' से बातचीत में कहा-'मुझे अभी तक कोई नोटिस नहीं मिला है।

अब तक तीन बार हुई जांच, ऐसे उपजा विवाद : 1. बिठूर से शिवराजपुर जाने वाले खेरेश्वर मंदिर मार्ग का चौड़ीकरण तीन मीटर से सात मीटर तक किया गया। इस पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने 40 करोड़ रुपये खर्च किए थे।

2. महिला कल्याण एवं बाल विकास पुष्टाहार विभाग की राज्यमंत्री ने घटिया सामग्री का इस्तेमाल होने और मानक के विपरीत की शिकायत शासन से नौ जुलाई को की।

3. इसके बाद एक जांच जिलाधिकारी, चीफ इंजीनियर पीडब्ल्यूडी और अधीक्षण अभियंता सिंचाई विभाग की टीम ने सड़क की जांच और सड़क को ठीक बताया।

4. दूसरी जांच पीडब्ल्यूडी लखनऊ के चीफ इंजीनियर और अधीक्षण अभियंता ने की। सैंपल को एचबीटीयू भेजा गया, वहां की जांच में भी मानक में कमी नहीं मिली।

5. आठ अगस्त को तीसरी जांच इंडो नेपाल बॉर्डर प्रोजेक्ट के चीफ इंजीनियर ने की। इस टेक्निकल ऑडिट टीम की जांच रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है, इंतजार हो रहा।

महिलाओं से अश्लील सवाल, हाई कोर्ट ने दे दिया जज के ट्रांसफर का आदेश

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। महिलाओं के साथ आपत्तिजनक व्यवहार और अश्लील टिप्पणियों के आरोप में केरल हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के एक जज के ट्रांसफर का आदेश दे दिया है। चावारा फैमिली कोर्ट के जज उदयकुमार वी का ट्रांसफर कोल्लम मोटर ऐक्सिडेंट क्लेम्स ट्राइब्यूनल में करने का आदेश दिया गया है। बार ऐंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक एक महिला ने कोल्लम के प्रधान जिला जज को पत्र लिखकर जज पर गंभीर आरोप लगाए थे। महिला ने कहा था कि काउंसलिंग के दौरान जज महिलाओं के साथ यौन दुर्व्यवहार करते हैं और अश्लील टिप्पणियां करते हैं। जानकारी के मुताबिक कोल्लम में मोटर ऐक्सिडेंट क्लेम्स ट्राइब्यूनल के जज प्रसन्ना गोपालन का ट्रांसफर फैमिली कोर्ट में कर दिया गया है। जिला न्यायालय के रजिस्ट्रार ने दोनों के म्यूचुअल ट्रांसफर का आदेश जारी कर दिया है। हाई कोर्ट की प्रशासनिक समिति ने इस मामले की जांच के भी आदेश दिए हैं। रिपोर्ट के आधार पर कोर्ट आगे भी कार्रवाई कर सकता है। बता दें कि फैमिली कोर्ट में परिवार में होने वाली समस्याओं को निपटारा किया जाता है।

पहलगाम के बाद पहली बार भारत ने पाक को भेजा संदेश, पड़ोसी देश में जारी हो गया अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़े तनाव की वजह से सरकार ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने का आदेश दे दिया था। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारत ने पाकिस्तान से संपर्क किया है। यह संपर्क भी बाढ़ के खतरे से पाकिस्तान का आगाह करने के लिए किया गया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग ने पाकिस्तान को बताया है कि जम्मू में तवी नदी में भयंकर बाढ़ आने की आशंका है। इसका असर पाकिस्तान में भी बड़े स्तर पर हो सकता है। भारत की चेतावनी के बाद पाकिस्तानी प्रशासन ने भी अलर्ट जारी कर दिया है। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों के बर्बाद कर दिया। वहीं बौखलाए पाकिस्तान ने भारत पर हमला शुरू कर दिया जिसका मुंहतोड़ जवाब दिया गया। सिंधु जल संधि को निलंबित करने के फैसले के बाद पाकिस्तान का दर्द और बढ़ गया है। दरअसल सिंधु नदी बेसिन की नदियां भारत से ही पाकिस्तान की ओर बढ़ती हैं। ऐसे में भारत के नियंत्रण से पाकिस्तान में जल संकट खड़ा हो सकता है। इतने के बावजूद भारत ने आम जनता की जान की परवाह करते हुए पाकिस्तान को बाढ़ के खतरे के प्रति अलर्ट किया है।

बाढ़ से जूझ रहा पाकिस्तान, चली गई सैकड़ों की जान

मूसलाधार बारिश और नदियों का जल स्तर बढ़ने की वजह से पाकिस्तान पहले से ही बाढ़ से जूझ रहा है। पंजाब प्रांत में मूसलाधार बारिश और आगामी 48 घंटों तक इसके जारी रहने से नदियों के जलस्तर में वृद्धि को देखते हुए बाढ़ प्रभावित जिलों से पिछले 24 घंटों में लगभग 20,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पंजाब आपातकालीन बचाव सेवा 1122 के प्रवक्ता फारूक अहमद ने एक बयान में बताया, 'कसूर, ओकारा, पाकपट्टन, बहावलनगर और वेहारी के कई गांवों के जलमग्न होने की वजह से वहां से लोगों को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।' उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों से शनिवार से अब तक लगभग 20,000 लोगों को निकाला गया है, वे सिंधु, चिनाब, रावी, सतलुज और झेलम नदियों के निकट हैं। अहमद ने कहा, 'सतलुज और रावी नदी के किनारे बसी आबादी को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम पूरा हो गया है।' प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने कहा कि 27 अगस्त तक मानसून के सक्रिय रहने के पूर्वानुमान की वजह से कई जिलों में आपातकालीन अभियान चलाए जा रहे हैं। पीडीएमए के मुताबिक गंडासिंह वाला में सतलुज नदी खतरे के निशान के ऊपर पहुंच गई है। उसने चेतावनी दी, 'गंडासिंह वाला में स्थिति गंभीर है और अगले 48 घंटों तक ऐसे ही बने रहने की आशंका है।'

पति की जान बचाने के लिए पत्नी ने दान किया था लीवर, सर्जरी के बाद दोनों की मौत

पुणे , एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे से एक दुखद मामला सामने आया है। यहां पर एक पत्नी ने अपने पति के जीवन को बचाने के लिए उसे लीवर दान देने का फैसला लिया। इसके बाद एक प्राइवेट हॉस्पिटल में सर्जरी करवाई गई। लेकिन सर्जरी के बाद ही पति की और फिर कुछ दिन बाद पत्नी की भी मौत हो गई। इससे लोगों ने प्राइवेट हॉस्पिटल को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि इस घटना के सामने आने के बाद महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल को नोटिस जारी किया है। स्वास्थ्य सेवा की डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर नागनाथ येमपल्ले ने बताया कि सह्याद्री अस्पताल को इस घटना के संबंध में नोटिस जारी कर दिया गया है। उन्हें इस ट्रांसप्लांट से जुड़ी सभी जानकारी सोमवार तक प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा, हमने अस्पताल को एक नोटिस जारी किया है। इसमें पीड़ित की वीडियो रिकॉर्डिंग और उपचार की प्रक्रिया की जानकारी मांगी है। यह रिपोर्ट हमें सुबह 10 बजे तक मिल जाएगी।

क्या है पूरा मामला?

रिपोर्ट्स के मुताबिक मृतक बापू कोमकर को लीवर की समस्या थी, जिसे लेकर डॉक्टर ने उन्हें ट्रांसप्लांट की सलाह दी। उनकी पत्नी कामिनी ने पति की जान बचाने के लिए उन्हें अपना लीवर दान करने का फैसला लिया। इसके बाद 15 अगस्त को दोनों दी सह्याद्री अस्पताल में सर्जरी हुई। लेकिन सर्जरी के दो दिन बाद ही बापू कोमकर की हालत बिगड़ गई और 17 अगस्त को उनकी मौत हो गई। इसके बाद कामिनी को 21 अगस्त को इन्फेक्शन हो गया और उनकी भी मौत हो गई। दोनों लोगों की मौत हो जाने पर बापू और कामिनी के परिजनों ने अस्पताल के ऊपर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। इतना ही नहीं उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से मामले की जांच करने और अस्पताल पर कार्रवाई करने की मांग की। हालांकि अस्पताल की तरफ से अपना बचाव करते हुए कहा गया कि उन दोनों की सर्जरी मेडीकल प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालने करने के बाद ही की गई थी। अस्पताल की तरफ से केस के बारे में जानकारी देते हुए कहा गया कि हम कोमकर परिवार के प्रति अपनी पूरी संवेदना रखते हैं। मरीज को लीवर और अन्य अंगों से जुड़ी कई परेशानियां थीं, यह एक हाई रिस्क केस था। हमने इस सर्जरी के जुड़ी जटिलताओं के बारे में पहले ही परिवार को बता दिया था। सर्जरी पूरी मानक प्रोटोकॉल के बाद ही हुई। दुर्भाग्य से सर्जरी के कुछ दिन बाद ही मरीज को कार्डियोजेनिक शॉक हो गया और उसकी मृत्यु हो गई। जहां तक दानदाता की बात है तो शुरुआत में उन्होंने बेहतर परिणाम दिखाए और अच्छे से रिकवरी की। लेकिन बाद में उन्हें शॉक की वजह से मल्टी ऑर्गन फेलियर जैसी समस्या हो गई, जिसकी वजह से उन्हें बचाया नहीं जा सका।

अस्पताल ने स्वास्थ्य विभाग से नोटिस मिलने की सूचना की पुष्टि करते हुए कहा, हम जांच में पूरा सहयोग करने के लिए तैयार हैं। इस मामले की जांच हो और अच्छी तरह से हो, इसके लिए हम आवश्यक जानकारी और सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

वोट चुराए जा रहे, शिवसैनिक घर-घर जाएं और वोटर लिस्ट चेक करें: उद्धव ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को बड़े पैमाने पर चुनावी गड़बड़ियों के आरोप लगाए। उन्होंने आगामी नगर निगम चुनावों से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर मतदाता सूचियों की जांच करने का निर्देश दिया। चुनावी तैयारियों के सिलसिले में दहिसर स्थित पार्टी की शाखा संख्या 4 के दौरे के दौरान उन्होंने शिवसेना कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। ठाकरे ने कहा, 'हमारे वोट चुराए जा रहे हैं। इसलिए हर घर जाकर मतदाता सूचियों की सावधानीपूर्वक जांच करें। यह एक ऐसी जिम्मेदारी है जिसे आपको बहुत गंभीरता से निभाना होगा।' उद्धव ठाकरे ने पार्टी सदस्यों को सूचियों की पूरी तत्परता से जांच करने का निर्देश दिया। यह निर्देश विपक्षी नेताओं की ओर से हाल ही में लगाए गए मतदाता धोखाधड़ी के आरोपों की पृष्ठभूमि में आया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पहले चुनावी अनियमितताओं को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और चुनाव आयोग पर निशाना साधा था।

मतदाता हेरफेर के लगाए आरोप : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने भी लोकसभा चुनावों से पहले संभावित मतदाता हेरफेर को लेकर चिंता जताई थी। इन चिंताओं को दोहराते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने कार्यकर्ताओं से सत्यापन प्रक्रिया के दौरान सतर्क रहने का आग्रह किया है।

उच्चशिक्षा विभाग की यूजी-पीजी प्रवेश प्रक्रिया अंतिम दौर में, कॉलेजों में बड़ी संख्या में सीटें खाली

भोपाल। मध्यप्रदेश में इस बार उच्च शिक्षा विभाग की यूजी और पीजी की प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी बड़ी संख्या में सीटें खाली रह गई हैं। कुल 6.50 लाख सीटों में से केवल 4.64 लाख पर ही दाखिले हुए हैं, जबकि करीब 1.86 लाख सीटें रिक्त रह गईं हैं। जानकारी अनुसार उच्च शिक्षा विभाग की प्रवेश प्रक्रिया में यूजी की 5.30 लाख सीटों में से 3.58 लाख पर प्रवेश किए जा चुके हैं। यानी करीब 1.72 लाख सीटें खाली रह गईं हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार

करीब 33 हजार कम एडमिशन हुए हैं। वहीं, पीजी की 1.20 लाख सीटों में से 1.06 लाख पर दाखिले हो चुके हैं और करीब 18 हजार सीटें अब भी खाली बताई गई हैं। उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार, यूजी की प्रवेश प्रक्रिया अब पूरी तरह समाप्त कर दी गई है। वहीं, पीजी में रिक्त सीटों को भरने के लिए 30 अगस्त तक अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) का एक और चरण चलाया जा रहा है। इस प्रकार से उच्च शिक्षा विभाग की ओर से संचालित यूजी और पीजी प्रवेश प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है, लेकिन बड़ी संख्या में सीटें अब भी खाली रह गई हैं।

गणेश चतुर्थी पर भोपाल में स्थानीय अवकाश घोषित

भोपाल। राज्य शासन द्वारा घोषित स्थानीय अवकाश के तहत 27 अगस्त, बुधवार को गणेश चतुर्थी पर केवल भोपाल शहर के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

संस्कृति, परंपरा, संवेदना और विचारों को आगामी पीढ़ियों तक पहुँचाते हैं साहित्यकार : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि साहित्य समाज का आईना होता है। साहित्यकार अपनी लेखनी के माध्यम से संस्कृति, परंपरा, संवेदना और विचारों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाते हैं। विंध्य की यह गौरवशाली परंपरा है कि यहां के साहित्यकारों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करना न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है बल्कि विंध्य की साहित्यिक धरती की सामूहिक उपलब्धि है। यह गौरव पूरे प्रदेश का है और साहित्यकारों के इस योगदान को सदैव याद रखा जाएगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विंध्य क्षेत्र के वरिष्ठ साहित्यकारों को मंत्रालय भोपाल में सम्मानित किया। उन्होंने डॉ. चंद्रिका प्रसाद चंद्र, डॉ. ओमप्रकाश मिश्र व्यथित एवं डॉ. विवेक द्विवेदी का शॉल और श्रीफल प्रदान कर अभिनंदन किया। उल्लेखनीय है कि विंध्य क्षेत्र के 6 साहित्यकार/लेखकों को प्रतिष्ठित मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पहला अवसर है जब विंध्य क्षेत्र के 6 लेखकों को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इनमें से 4 लेखक रीवा के निवासी हैं। डॉ. चंद्रिका प्रसाद चंद्र को रिश्तन केर निबाह बघेली कहानी संकलन के लिए विश्वनाथ सिंह जूदेव साहित्य एकेडमी पुरस्कार वर्ष-2023 से सम्मानित किया गया है। डॉ. चंद्र ने 8 निबंध संग्रह, 1 कविता संग्रह और 2 बघेली कहानी संकलन की रचना की है। डॉ. ओमप्रकाश मिश्र व्यथित को ह्यमेरा परिचय-मेरी कविता गीत संग्रह के लिए वर्ष-2023 का वीरेन्द्र कुमार मिश्र साहित्य एकेडमी पुरस्कार प्राप्त हुआ है। डॉ. विवेक द्विवेदी को सुनो कावेरी कहानी संकलन पर सुभद्रा कुमारी चौहान साहित्य एकेडमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

विक्रमोत्सव २०२५ ईमैक्स ग्लोबल अवार्ड से सम्मानित हुआ

मैं यह मानता हूँ कि यह सम्मान केवल एक उत्सव का नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा का है। इस अवसर पर हमें और अधिक संकल्प लेना चाहिए कि आने वाले वर्षों में विक्रमोत्सव को अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संवाद का सबसे बड़ा मंच बनाया जाए।

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग अंतर्गत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा आयोजित विक्रमोत्सव 2025 को ईमैक्स ग्लोबल अवार्ड से सम्मानित किया गया है। ईमैक्स की टीम भोपाल आकर माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को यह सम्मान प्रदान करेगी। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष विक्रमोत्सव को मिलने वाला यह दूसरा अवार्ड है। विगत वर्ष विक्रमोत्सव 2024 को एशिया का बिगेस्ट रिलीजियस अवार्ड मिला था। माननीय मुख्यमंत्रीजी के संस्कृति सलाहकार एवं महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी ने कहा कि विक्रमोत्सव 2025 का ईमैक्स ग्लोबल अवार्ड से सम्मानित होना संपूर्ण मध्यप्रदेश और भारतीय संस्कृति के लिए गर्व का विषय है। यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि उज्जैन की धरती पर आयोजित विक्रमोत्सव केवल एक सांस्कृतिक उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय परंपरा, गौरव और मूल्यों को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने का सेतु बन चुका है। इस महोत्सव ने हमारे शास्त्र, कला, संगीत, नृत्य और साहित्य को आधुनिक समय की मांगों के साथ जोड़ा है, जिससे विश्वभर में भारतीय संस्कृति की गरिमा और प्रासंगिकता और अधिक बढ़ी है। उन्होंने इस सम्मान को माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सांस्कृबतिक विरासत के प्रति उनके समर्पण को समर्पित किया। श्री तिवारी कहा कि विक्रमोत्सव ने युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य किया है और साथ ही विदेशी अतिथियों को भारतीय संस्कृति की गहराई से अवगत कराया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की सांस्कृतिक विरासत के प्रति लगाव और विकास के पथ पर आगे बढ़ने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति ही मध्य प्रदेश को गौरवान्वित कर रही है। मैं यह मानता हूँ कि यह सम्मान केवल एक उत्सव का नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा का है। इस अवसर पर हमें और अधिक संकल्प लेना चाहिए कि आने वाले वर्षों में विक्रमोत्सव को अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संवाद का सबसे बड़ा मंच बनाया जाए। यह उपलब्धि हमें प्रेरित करती है कि हम अपनी परंपराओं को आधुनिक तकनीक, शोध और नवाचार के साथ जोड़कर विश्वपटल पर भारत की सांस्कृतिक ध्वजा को और ऊंचा करें।

माननीय प्रधानमंत्री कर चुके है सराहना

विगत दिनों माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विक्रमोत्सव की सराहना करते हुए कहा कि उज्जैन के महान सम्राट विक्रमादित्य के गौरव और वैभव को जन-जन तक पहुँचाने का यह प्रयास सराहनीय है। उनका शासन काल जन-कल्याण, सुशासन और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए जाना जाता है। मध्यप्रदेश के ऊजार्वान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में यह आयोजन निश्चित रूप से युवा पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़कर आत्मविश्वास और कर्तव्यनिष्ठा की भावना से परिपूर्ण नागरिक बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

विक्रमोत्सव 2025 में 300 से अधिक गतिविधियाँ हुई आयोजित

विक्रमोत्सव 2025 अंतर्गत 300 से अधिक विभिन्न सांस्कृतिक एवं बहुआयामी गतिविधियाँ सम्पन्न हुई। इस महोत्सव में लाखों लोग भागीदार रहे जबकि सोशल मीडिया के माध्यम से करोड़ों लोग विक्रमोत्सव से जुड़े। विक्रमोत्सव की बहुआयामी गतिविधियों में मध्यप्रदेश के सभी प्रमुख शिवरात्रि मेलों का समारंभ, कलश यात्रा, विक्रम व्यापार मेला, संगीत, नृत्य, वादन, शिवोह्म, आदि-अनादि पर्व समारोह, विक्रम नाट्य समोराह, चित्र प्रदर्शनियाँ, संगोष्ठी, भारतीय इतिहास समागम, राष्ट्रीय विज्ञान समागम, वेद अंताक्षरी, कोटि सूर्योपासना, शिल्प कला कार्यशाला, प्रकाशन, विक्रम पंचांग, पौराणिक फिल्मों का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, बोलियों एवं हिन्दी रचनाओं का अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, 1000 ड्रोन्स की प्रस्तुति व ख्यात कलाकारों की प्रस्तुतियाँ शामिल है।

एनसीटीई पाठयक्रमों में प्रवेश में लिए तृतीय अतिरिक्त चरण

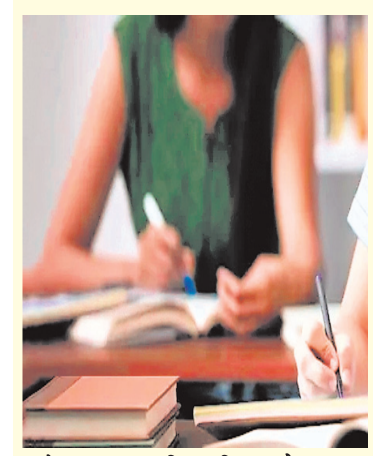

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिये एनसीटीई पाठयक्रम संचालित करने वाले शासकीय/ अनुदान प्राप्त अशासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए तृतीय अतिरिक्त चरण की समय सारणी जारी की है। जारी समय सारणी के अनुसार, एनसीटीई पाठयक्रमों में प्रवेश में लिए विद्यार्थी 27 से 29 अगस्त तक ऑनलाइन पंजीयन/आवेदन कर सकेंगे। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 27 से 30 अगस्त तक होगा। प्रवेश के लिये मेरिट सूची का प्रकाशन 1 सितंबर को होगा। विद्यार्थियों के लिए 2 सितंबर को सीट आवंटन जारी किया जाएगा। आवंटित हेल्प सेंटर पर मूल दस्तावेजों (टीसी, माइग्रेशन) के साथ भौतिक सत्यापन के लिए विद्यार्थियों को उपस्थित होकर 2 से 4 सितंबर तक लिंक इनिशिएट कराना होगा। विद्यार्थियों को आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क का भुगतान 2 से 6 सितंबर तक करना होगा। आवंटित महाविद्यालय में शुल्क के भुगतान की अंतिम तिथि 6 सितंबर है। प्रवेश शुल्क का भुगतान कर चुके आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा। विद्यार्थियों का प्रवेश के लिए यह अन्तिम चरण होगा।

परिवहन विभाग द्वारा वाहन रजिस्ट्रेशन के डेटाबेस में मोबाइल नम्बर अपडेशन के लिये अभियान

विभाग के सारथी पोर्टल पर दी गई है लिंक

वर्तमान में वाहन रजिस्ट्रेशन एवं ड्राइविंग लायसेंस संबंधी समस्त सेवाओं के लिये ऑनलाइन आवेदन लिये जा रहे है। डेटाबेस रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त कर आवेदक को अपना सत्यापन कराना होता है।

भोपाल। प्रदेश में वाहन के पंजीयन और ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करते वक्त आवेदक को अपना मोबाइल नम्बर दर्ज करना अनिवार्य होता है। कई बार वाहन स्वामी की जगह डीलर अपना मोबाइल नम्बर दर्ज करा देते हैं। वाहन स्वामी और डीलर द्वारा सही मोबाइल नम्बर दर्ज कराने के बाद संबंधित व्यक्ति द्वारा मोबाइल नम्बर कुछ वर्षों बाद परिवर्तित कर देने के कारण डेटाबेस में संबंधित व्यक्ति का मोबाइल नंबर अपडेट नहीं रह पाता है। मोबाइल नम्बर अपडेट करने के लिये इन दिनों परिवहन विभाग द्वारा विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। वाहन स्वामी अथवा डीलर नेशनल इंफोर्मेशन सेन्टर (एनआईसी) के वाहन सारथी पोर्टल पर जाकर स्वयं ही आसानी से मोबाइल नंबर अपडेट कर सकते हैं। वाहन सारथी पोर्टल पर आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से मोबाइल नम्बर अपडेट करने की ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध है। आधार में दर्ज आवेदक और उसके अभिभावक के नाम का वाहन पंजीयन और ड्रायविंग लायसेंस के डेटाबेस में दर्ज नाम से शत-प्रतिशत मिलान होने पर डेटाबेस में मोबाइल नम्बर तत्काल अपडेट हो जाता है। आधार पंजीयन और ड्राइविंग लायसेंस के डेटाबेस में दर्ज नाम में भिन्नता पाई जाती है, तो आवेदक को पोर्टल पर अपना कोई दूसरा परिचय पत्र जैसे आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र और पासपोर्ट अपलोड करना पड़ता है। आरटीओ कार्यालय द्वारा दर्ज दस्तावेज और आधार से आवेदक और उसके अभिभावक के नाम का पंजीयन और ड्राइविंग लायसेंस में दर्ज नाम का सत्यापन किया जाता है। अप्रूवल के बाद मोबाइल नंबर डेटाबेस में अपडेट हो जाता है। अपडेड प्रक्रिया को विस्तृत रूप से स्क्रीन शॉट के माध्यम से समझाने के लिए मध्यप्रदेश परिवहन विभाग के पोर्टल के होमपेज पर लिंक उपलब्ध कराई गई है।वर्तमान में वाहन रजिस्ट्रेशन एवं ड्राइविंग लायसेंस संबंधी समस्त सेवाओं के लिये ऑनलाइन आवेदन लिये जा रहे है। डेटाबेस रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त कर आवेदक को अपना सत्यापन कराना होता है। मोबाइल नंबर डेटाबेस पर उपलब्ध न होने पर कई बार आवेदक इन सेवाओं का लाभ नहीं ले पाते हैं। संबंधित वाहन के विरूद्ध अन्य प्रणालियों से चालान जारी होने पर डेटाबेस पर सही नंबर न होने के कारण कई बार वाहन स्वामियों को चालान के संबंध में जानकारी प्राप्त नहीं हो पाती है। चालान का भुगतान लंबित होने पर ऐसे व्यक्तियों को परिवहन विभाग की सेवाओं से वंचित रहना पड़ सकता है। न्यायालयीन कार्रवाई की जाने पर उन्हें कोर्ट से समन भी आ सकते हैं।

ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस पर व्याख्यान के साथ एम्स भोपाल ने स्वास्थ्य सेवा के भविष्य पर की चर्चा

भोपाल। एम्स भोपाल चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार और शैक्षणिक आदान-प्रदान को निरंतर प्रोत्साहित कर रहा है। इसी क्रम में फिज़ियोलॉजी विभाग द्वारा 22 अगस्त 2025 को कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) माधवानंद कर के मार्गदर्शन में एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान एम्स नागपुर के फिज़ियोलॉजी विभाग के सह-प्राध्यापक डॉ. प्रथमेश कांबले द्वारा ह्लब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेसेजः अतीत, वर्तमान और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियाँ विषय पर प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। मशीन लर्निंग और ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेसेज के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर विशेषज्ञ वक्ता ने इस उभरते विषय के संभावनाओं, वर्तमान अनुप्रयोगों और भविष्य की शोध चुनौतियों पर प्रकाश डाला। इंटरैक्टिव चर्चा के दौरान छात्रों और प्राध्यापकों को यह समझने का अवसर मिला कि कैसे ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेसेज जैसी उन्नत तकनीकें भविष्य की चिकित्सा और रोगी देखभाल को नई दिशा दे सकती हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद नरसिंहगढ जिला राजगढ़ (म.प्र.)

telephone no. 07375-245841 E-Mail- cmonpngh@gmail.com

क्रमांक /3112/सा.प्र./2025 नरसिंहगढ़, दिनांक :- 25/08/2025

// निविदा विज्ञप्ति //

एतद् द्वारा समस्त आतिशबाजी निर्माताओं एंव विक्रेताओं को सूचित किया जाता हैं कि प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी दशहरा पर्व दिनांक 02.10.2025 को मनाया जाना है। इस हेतु दशहरा मैदान में पर्याप्त आतिशबाजी का प्रदर्शन करवाया जाना है। अतः इच्छुक व्यक्ति अपनी अपनी दरें बंद लिफाफे में दिनांक 02/09/2025 को समय दोपहर 03.00 बजे तक कार्यालय नगर पालिका परिषद नरसिंहगढ़ में उपस्थित होकर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त निविदा पर विचार नही किया जावेगा। प्राप्त निविदाऐं उसी दिनांक को समय दोपहर 03:30 बजे उपस्थित निविदाकरों के समक्ष खोली जावेगी।

शर्ते :-

01. दशहरा मैदान पर आतिशबाजी का प्रर्दशन स्वयं निविदादाता को करना होगा।
02. प्रर्दशन में उपयोग में आने वाली आतिशबाजी कम्पनी एंव अच्छी किस्म की होना आवश्यक है।
03. आतिशबाजी तेज आवाज एंव रंग बिरंगी तथा उपर जाकर अच्छा प्रर्दशन करने वाली होनी चाहिए।
04. आतिशबाजी की दरें समस्त टेक्स सहित होगी। पृथक से कोई भुगतान नही किया जावेगा ।
05. निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार तथा अन्य निर्णय हेतु मुख्य नगर पालिका अधिकारी का निर्णय अन्तिम एंव मान्य होगा।
06. भाव-पत्र के साथ अतिशबाजी का लाईसेंस भी प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है।
07. अमानत राशि 1000.00 (एक हजार) रूपये नगद दिनांक 02/09/2025 को समय दोपहर 02:00 बजे तक जमा करना अनिवार्य होगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद नरसिंहगढ़

कार्यालय नगर पालिका परिषद नरसिंहगढ जिला राजगढ़ (म.प्र.)

telephone no. 07375-245841 E-Mail- cmonpngh@gmail.com

क्रमांक /3110/सा.प्र./2025 नरसिंहगढ़, दिनांक :- 25/08/2025

// निविदा विज्ञप्ति //

एतद् द्वारा समस्त आतिशबाजी निर्माताओं एंव विक्रेताओं को सूचित किया जाता हैं कि प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी दशहरा पर्व दिनांक 02.10.2025 को मनाया जाना है। इस हेतु रावण पुतले में बम पटाखें चकरी फुब्बारा अनार इत्यादि आतिशबाजी लगवाये जाना है। अतः इच्छुक व्यक्ति अपनी अपनी दरें बंद लिफाफे में दिनांक 02/09/2025 को समय दोपहर 03.00 बजे तक कार्यालय नगर पालिका परिषद नरसिंहगढ़ में उपस्थित होकर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त निविदा पर विचार नही किया जावेगा। प्राप्त निविदाऐं उसी दिनांक को समय दोपहर 03:30 बजे उपस्थित निविदाकरों के समक्ष खोली जावेगी ।

शर्ते :-

01. रावण के पुतले में तेज आवाज वाली पर्याप्त अतिशबाजी स्वयं लगाना होगी।
02. रावण के पुतले में आतिशबाजी, आतिशबाज के द्वारा ही लागाई जावेगी।
03. आतिशबाजी तेज आवाज एंव रंग बिरंगी तथा उपर जाकर अच्छा प्रर्दशन करने वाली होनी चाहिए। आतिशबाजी की दरें समस्त टेक्स सहित होगी। पृथक से कोई भुगतान नही किया जावेगा।
04. निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार तथा अन्य निर्णय हेतु मुख्य नगर पालिका अधिकारी का निर्णय अन्तिम एंव मान्य होगा।
05. भाव-पत्र के साथ अतिशबाजी का लाईसेंस भी प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है।
06. अमानत राशि 1000.00 (एक हजार) रूपये नगद दिनांक 02/09/2025 को समय दोपहर 02:00 बजे तक जमा करना अनिवार्य होगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद नरसिंहगढ़

कार्यालय नगर पालिका परिषद नरसिंहगढ जिला राजगढ़ (म.प्र.)

telephone no. 07375-245841 E-Mail- cmonpngh@gmail.com

क्रमांक /3114/सा.प्र./2025 नरसिंहगढ़, दिनांक :- 25/08/2025

// निविदा विज्ञप्ति //

एतद द्वारा समस्त रावण पुतला निर्माताओं को सूचित किया जाता है कि प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी दशहरा पर्व दिनांक 02.10.2025 को मनाये जाने हेतु रावण के पुतले का निमार्ण करवाये जाना है। अतः इच्छुक व्यक्ति अपनी अपनी दरे बंद लिफाफे में दिनांक 02.09.2025 को समय दोपहर 03.00 बजे तक कार्यालय नगर पालिका परिषद नरसिंहगढ़ मे उपस्थित होकर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त भाव पत्रों पर विचार नही जावेगा प्राप्त भाव पत्र उसी दिनांक को समय दोपहर 03.30 बजे उपस्थित निविदाकारों के समक्ष खोली जावेगी।

शर्ते :- 01. रावण का पुतला 51 फिट की उंचाई का बनाकर देना होगा।
02. रावण का पुतला सुन्दर एवं आकर्षित निमार्ण करना होगा।
03. रावण का पुतला दशहरे के एक दिन पूर्व अर्थात दिनांक 01.10.2025 को पूर्ण रूप से तैयार करना होगा।
04. रावण के पुतले को दिनांक 01.10.2025 को समय दोपहर 02.00 बजे तक रावण दहन स्थल पर खड़ा करना होगा।
05. रावण पुतला निमार्ण मे लगने वाली समस्त सामग्री की व्यवस्था स्वयं निर्माता को ही करनी होगी। जिसका अलग से कोई भुगतान नही किया जावेगा।
06. निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार तथा अन्य निर्णय हेतु मुख्य नगर पालिका अधिकारी का निर्णय अन्तिम एवं मान्य होगा।
07. अमानत राशि 1000.00 (एक हजार) रुपये नगद दिनांक 02/09/2025 को समय दोपहर 2.00 बजे तक जमा करना अनिवार्य होगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद नरसिंहगढ़

स्वत्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रामपाल सिंह परमार द्वारा जय माता प्रिंटर्स, 28, कुम्हारपुरा, चर्च रोड, जिंसी चौराहा, जहांगीराबाद, भोपाल, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 49 वर्धमान ग्रीन एन्क्लेव दामखेड़ा, सागर लैंड मार्क के पास अयोध्या बायपास, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। *संपादक रामपाल सिंह परमार। समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार (समस्त न्यायिक मामलों का क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) फोन नं. - 8770932048

पर्यटन मंत्रालय
MINISTRY OF
TOURISM
मध्यप्रदेश शासन
PHDCCI
PHDCCI 120

आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करता मध्यप्रदेश

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

ग्लोबल स्पिरिचुअल टूरिज्म कॉन्क्लेव शुभारंभ

रूह Mantic

मुख्य अतिथि	विशिष्ट अतिथि
डॉ. मोहन यादव	**गजेन्द्र सिंह शेखावत**
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश	केंद्रीय मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय

27 अगस्त, 2025 । प्रात: 9:00 बजे । होटल अंजुश्री, उज्जैन, मध्यप्रदेश

"मध्यप्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन विकास के नये अध्याय की शुरुआत"

प्रमुख गतिविधियां

राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस । अधोसंरचना विकास, आध्यात्मिक पर्यटन में सांस्कृतिक संवर्धन पर चर्चा । आध्यात्मिक पर्यटन के आयामों पर संवाद

महत्वपूर्ण सत्र

मंदिर अर्थव्यवस्थाएं । महाकाल का मंडल । डिजिटल में दिव्य । पवित्र धुरी के संरक्षक

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11090/25